संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 207
पृष्ठ 8
शुक्रवार
17 अप्रैल 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर में लगाने वाले हैं बांस का...
विचार- मजदूरों के गुस्से का पाक और...
खेल- नाम बड़े...दर्शन छोटे! 10 करोड़ की...

मुख्यमंत्री योगी बोले-

भाजपा गारंटी देती है कि बंगाल में दंगा, कर्फ्यू नहीं लगेगा

मोहनलालगंज,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को फिर पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे। बाराबनी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार अरिजीत रॉय के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, वामपंथियों और तृणमूल कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करने के साथ भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया। जनसभा स्थल, वाहनों व घरों की छतों और पेड़ों पर चढ़े लोग मुख्यमंत्री की एक झलक पाने को बेताब दिखे। बंगाल की धरा पर तृणमूल कांग्रेस को चुनौती देते हुए सीएम योगी ने मतदाताओं से कहा कि टीएमसी के गुंडे, माफिया क्या कह रहे हैं या कोई मौलाना क्या बक रहा है, आप किसी से भयभीत न होइए। डबल इंजन की भाजपा सरकार आने दीजिए, ये सभी आपकी चाटुकारिता करते और बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाते दिखाई देंगे। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से कहा कि जब

यहां मेरा कार्यक्रम लगा तो तृणमूल के गुंडे लोगों को परेशान करने लग गए। सभा न होने पाए, इसके लिए भाजपा का झंडा उखाड़ने का भी प्रयास किया। अरिजीत का मतलब जो शत्रु को जीत सके, आप लोग उन्हें जिताइए और डबल इंजन सरकार लाइए, टीएमसी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल स्पीड से सारी समस्याओं का समाधान होगा।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा गारंटी देती है कि बंगाल में दंगा, कर्फ्यू नहीं लगेगा। गोमाता को कटने नहीं देंगे और हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे। पहले कांग्रेस, फिर वामपंथियों और 15 वर्ष से टीएमसी ने यहां पहचान का संकट खड़ा किया है। बंगाल कभी कल्चरल कैपिटल के रूप में देश को दिशा देता था, लेकिन इसे क्राइम कैपिटल बनाकर पहचान का संकट खड़ा किया गया। आजादी के बाद बंगाल विकास के पथ पर आगे चल रहा था। देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन था। इकॉनमिक लीडर के रूप में बंगाल की तूती बोलती थी। किसान प्रसन्न, नौजवान को नौकरी–रोजगार, मछली–चावल उत्पादन बढ़ रहा था, लेकिन कांग्रेस, वामपंथियों व टीएमसी ने राज्य को भ्रष्टाचार, भय व अराजकता का केंद्र बना दिया। मछली उत्पादन कम हुआ और चावल उत्पादन घटा। यहां के संसाधनों पर माफिया हावी है, नौजवान के लिए नौकरी–रोजगार गायब है। किसानों को उपज का दाम नहीं मिल पाता। यूपी में आलू का दाम 15–16 रुपये किलो और बंगाल में मात्र एक–डेढ़ रुपये मिल रहा है।

सीएम ने कहा कि 9 साल पहले इससे भी बुरी स्थिति उत्तर प्रदेश की थी। वहां हर दूसरे–तीसरे दिन दंगा होता था। व्यापारी, बहन–बेटी असुरक्षित थी। गुंडागर्दी–अपराध चरम पर था, माफिया हावी थे। जनता के विकास के लिए आने वाले पैसे में डकैती पड़ती थी, लेकिन डबल इंजन की भाजपा सरकार ने इसका उपचार कर दिया। यूपी में बहुत परिवर्तन हो गया, वहां कोई सड़क पर नमाज नहीं पढ़ सकता। यूपी में पर्व–त्योहार शांति से मनाए जाते हैं। वहां अराजकता–गुंडागर्दी नहीं है, लेकिन बंगाल में गोतस्करी, गोहत्या, त्योहारों के पहले उपद्रव होते हैं। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर अब माफिया की हड्डी–पसली ठीक करता है। माफिया की संपत्ति लेकर गरीबों के आवास बनते हैं। यूपी में न कर्फ्यू है न दंगा है, वहां सब चंगा है। रामजन्मभूमि के लिए आंदोलन करना पड़ा। टीएमसी की पार्टनर समाजवादी पार्टी की सरकार ने रामभक्तों पर गोली चलवाईं। जैसे ममता दीदी को राम नाम, दुर्गा पूजा से चिढ़ है, यूपी में भी ऐसे ही चिढ़ होती थी।

परिसीमन पर प्रधानमंत्री मोदी गारंटी, बोले-

उत्तर-दक्षिण किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि परिसीमन प्रक्रिया में राज्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं होगा, चाहे वे उत्तर, दक्षिण, बड़े या छोटे हों। परिसीमन विधेयक पर विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने संकेत दिया कि इस प्रक्रिया का विरोध करने वाले लोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह आश्वासन दिया कि कोई भेदभाव नहीं होगा, कोई अन्याय नहीं होगा। मोदी ने महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों पर चर्चा के लिए आयोजित संसद के विशेष सत्र के दौरान कहा कुछ लोग सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए गड़बड़ी पैदा कर रहे हैं। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ आश्वस्त करना चाहता हूं कि चाहे उत्तर हो या दक्षिण, इस प्रक्रिया में किसी तरह का भेदभाव या अन्याय नहीं होगा। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि मैं वादा कर सकता हूं और गारंटी दे

सकता हूंय अगर आप गारंटी शब्द का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो मैं करूंगा, अगर आप वादा शब्द का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो मैं करूंगा। उन्होंने कहा कि भूतकाल में जो सरकार रही, जिनके काल में जो परिसीमन हुआ, उस अनुपात में भी कोई बदलाव नहीं होगा, और वृद्धि भी उसी अनुपात में होगी। अगर गारंटी चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं, वादा चाहिए तो वादा देता हूं.. क्योंकि अगर नीयत साफ है, तो शब्दों का खेल करने की जरूरत नहीं है। मोदी ने कहा कि हम उस अहंकार में न रहें कि हम देश की नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं... जी नहीं! उसका हक घ्है। हमने कई दशकों से रोका हुआ है। आज उसका प्रायश्चित कर उस पाप से मुक्ति पाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यहां कुछ लोगों को लगता है कि इसमें मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। इसका अगर विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि राजनीतिक लाभ मुझे होगा, लेकिन अगर साथ चलेंगे तो किसी को कोई राजनीतिक फायदा नहीं होगा। हमें क्रेडिट नहीं चाहिए। जैसे ही ये पारित हो जाए, मैं कल विज्ञापन देकर सबका धन्यवाद करने को तैयार हूं सबकी फोटो छपवाने को तैयार हूं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं-

मजबूत और विकसित भारत का निर्माण केवल देश की मूल भाषाओं की नींव पर ही किया जा सकता है

वर्धा,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण केवल देश की मूल भाषाओं की नींव पर ही किया जा सकता है। मुर्मू ने कहा कि भारत की सभी विविध भाषाओं में संस्कृति, संवेदनशीलता और चेतना की एक ही धारा बहती है। उन्होंने लोगों से अपनी मातृभाषा के अलावा कम से कम एक भारतीय भाषा सीखने की अपील की। राष्ट्रपति महाराष्ट्र के वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, वर्ष 1936 में यहीं वर्धा में, महात्मा गांधी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आचार्य काका कालेलकर के साथ मिलकर हिंदी भाषा को बढ़ावा देने एवं उसका प्रचार–प्रसार करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की स्थापना की थी। उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी की मातृभाषा गुजराती थी, नेताजी की मातृभाषा बांग्ला और काकासाहेब की

मातृभाषा मराठी थी। राष्ट्रपति ने कहा, इन महान आत्माओं ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के माध्यम के रूप में हिंदी की शक्ति को पहचाना एवं इसका उपयोग किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, हिंदी ने देश भर के लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा का आह्वान हिंदी में किया था। उन्होंने विश्वविद्यालय के नाम की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता के नाम पर इसका नाम रखना पूरी तरह से इतिहास के अनुरूप है। उन्होंने कहा, भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति पाती है तथा हमारी सभी विविध भारतीय भाषाओं में संस्कृति, संवेदनशीलता और चेतना की एक ही धारा बहती है। राष्ट्रपति ने कहा, यही कारण है कि मैं या मेरे जैसे अन्य ओडिया भाषी, हिंदी में मुंशी प्रेमचंद की कहानियों या महादेवी वर्मा की कविताओं के ओडिया अनुवाद पढ़ते समय उनसे सहजता से जुड़ सकते हैं। इसी तरह, हिंदी पाठक, फकीर मोहन सेनापति, गोपीनाथ मोहंती और प्रतिभा रे जैसे ओडिया साहित्यकारों से जुड़ते हैं। बांग्ला और संस्कृत के मिश्रण से बना हमारा राष्ट्र गीत वंदे मातरम सभी भारतीयों की भावनाओं को एक सूत्र में बांधता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

नागरिकों को वोट के लिए मजबूर नहीं कर सकते

नयी दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अनिवार्य मतदान लागू करने के निर्देश देने की मांग वाली एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता ने कहा था कि जो लोग मतदान करने से इनकार करते हैं, उन्हें सरकारी सुविधाओं से वंचित कर देना चाहिए और उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। न्यायालय ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि चुनावों में भागीदारी को दमनकारी या बाधकारी उपायों से लागू नहीं कर सकते। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों से मताधिकार प्रयोग करने की अपेक्षा होती है, लेकिन राज्य किसी व्यक्ति को वोट देने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। याचिकाकर्ता के वकील ने सुझाव दिया था कि अदालत चुनाव आयोग को अनिवार्य मतदान के लिए दिशानिर्देश बनाने और बिना वैध कारण

वोट न देने वालों पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दे। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि मताधिकार के प्रति जन जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए, लेकिन हम इसके लिए मजबूर नहीं कर सकते। न्यायालय ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उठाए गए मुद्दे नीतिगत दायरे में आते हैं और इन पर उचित विधायी और कार्यकारी अधिकारियों (संसद और सरकार) द्वारा विचार किया जाना ही सबसे बेहतर है। पीठ ने दोहराया कि मतदान एक संवैधानिक अधिकार और लोकतांत्रिक कर्तव्य है, लेकिन इसे किसी पर थोपा नहीं जा सकता।

अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई

चंडीगढ़,एजेंसी। हरियाणा कांग्रेस ने अनुशासनहीनता के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए वीरवार को उन पांच विधायकों को पार्टी से निलंबित कर दिया है, जिन्होंने राज्यसभा चुनाव में पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर मतदान किया था। इन विधायकों पर 16 मार्च को हुए चुनाव में पार्टी उम्मीदवार के बजाय विरोधी खेमे के प्रत्याशी को समर्थन देने का आरोप है। निलंबित किए गए विधायकों में नारायणगढ़ से शैली चौधरी, सढौरा से रेणु बाला, रतिया से जरनैल सिंह, हथीन से मोहम्मद इसराइल और पुनहाना से मोहम्मद इलियास के नाम शामिल हैं। इन सभी विधायकों ने राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी, जिससे पार्टी की स्थिति कमजोर हुई थी। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि इन विधायकों को पहले श्कारण बताओ नोटिसश जारी किया गया था। धर्मपाल मलिक की अध्यक्षता वाली अनुशासन समिति ने विधायकों द्वारा दिए गए जवाबों की गहन समीक्षा की।

शहर समता महिला काव्यगोष्ठी प्रयागराज इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विचार मंच प्रयागराज इकाई की महिला काव्य गोष्ठी प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री जया मोहन श्रीवास्तव की अध्यक्षता एवं प्रयागराज इकाई की जिलाध्यक्ष डॉ गीता सिंह के संयोजन एवं संचालन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कवयित्री कविता उपाध्याय एवं वरिष्ठ कवयित्री डॉ शशी जायसवाल रहीं।

यह काव्य गोष्ठी दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही जया मोहन श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति शशी जायसवाल द्वारा की गयी। इस काव्य गोष्ठी में रचना सक्सेना,गीता सिंह, जया मोहन श्रीवास्तव,कविता उपाध्याय,पूर्णिमा पांडेय,साधना खरे,मोनी सिंह,मधु गौतम,सुनीति केसरवानी,अंजली श्रीवास्तव,संतोष मिश्रा दामिनी ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन गीता सिंह ने किया।

महिला आरक्षण की बात सबसे पहले कांग्रेस ने की, तब भाजपा ने विरोध किया था-प्रियंका

नई दिल्ली,एजेंसी। महिला आरक्षण को लेकर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने कहा, सबसे पहले

महिला आरक्षण की बात कांग्रेस ने की थी। उन्होंने कहा कि कराची अधिवेशन में इस पर प्रस्ताव पास किया था। उन्होंने कहा कि उस वक्त राजीव गांधी ने ये प्रस्ताव पास किया था और उस समय बीजेपी ने इसका विरोध किया था। प्रियंका गांधी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पर चर्चा की लेकिन ये नहीं बताया कि उस समय इसका विरोध किसने किया था। कांग्रेस सांसद ने कहा कि महिला आरक्षण 2029 तक लागू होना चाहिए। हम सहमत हैं। इसे लागू करने के लिए सीटों की संख्या 50 फीसदी बढ़ानी पड़ेगी और 850 कर दी जाएगी। इसके लिए परिसीमन आयोग बनाया जाएगा, जो सीटों को बढ़ाने के लिए काम करेगा। राजनीतिक की बू, जिसका जिक्र पीएम ने किया वह इसमें पूरी तरह मिली हुई है। 2023 में जो विधेयक पारित कराया गया था, उसमें दो चीजें थीं, जो इसमें नहीं हैं। उसमें नई जनगणना और परिसीमन का जिक्र था। अब क्या हो गया। मन बदल गया। पुराने आंकड़ों के आधार पर क्यों आगे बढ़ना चाह रही सरकार। जल्दबाजी क्यों। जब तक जातिगत जनगणना नहीं होती, सभी वर्गों को उचित हिस्सा नहीं मिल सकता है। प्रियंका गांधी बोलीं, पीएम ने हल्के में बोल दिया कि इस वर्ग और उस वर्ग के बारे में बाद में देखेंगे। ये हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह बड़ी संख्या है।

500 झुग्गियों में लगी भीषण आग

गाजियाबाद,एजेंसी। गाजियाबाद के कनवानी गांव में झुग्गियों में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने 500 से ज्यादा झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान झुग्गियों में रखे सिलिंडर एक–एक कर फटने लगे। धमाकों से इलाके के लोग दहल उठे। कुछ बच्चों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में 500 से अधिक झुग्गियां देखते ही देखते जल उठीं। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

मोदी सरकार ने परिसीमन को राजनीतिक हथियार बनाया, विधेयक महिला और संविधान विरोधी : गौरव गोगोई

नयी दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को महिलाओं, जाति जनगणना, संविधान और संघीय ढांचे के खिलाफ बताया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार परिसीमन को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि सरकार को लोकसभा के वर्तमान संख्याबल 543 के आधार पर 2029 से ही महिला आरक्षण लागू करना चाहिए। गोगोई ने कहा कि सोनिया गांधी ने पिछली लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक पर चर्चा के दौरान यही कहा था कि महिला आरक्षण लागू हो, लेकिन इसे परिसीमन के साथ मत जोड़िए, लेकिन सरकार ने उस वक्त विपक्ष को नहीं सुना। उन्होंने कहा कि तीन साल में ऐसा क्या बदलाव हुआ कि सरकार का रुख बदल गया। गोगोई ने कहा, गृह मंत्री ने 2023 में आश्वासन दिया था कि जनगणना होगी, परिसीमन होगा, महिला आरक्षण लागू होगा। अब कह रहे हैं कि जनगणना और परिसीमन होगा। उन्होंने दावा किया कि लगता है कि सरकार महिला आरक्षण लागू करने में विलंब करना चाहती है। कांग्रेस सांसद ने कहा, हम आज भी कह रहे हैं कि महिला आरक्षण को परिसीमन के साथ मत जोड़िए। 543 सीटों पर ही 2029 में लागू करिए। उन्होंने कहा कि यह महिला आरक्षण विधेयक नहीं है, यह पर्दे के पीछे परिसीमन कराने की राजनीतिक मंशा है। गोगोई का कहना था, अगर सरकार महिला आरक्षण के पक्ष में होती तो इसे तत्काल लागू करती।

उन्होंने दावा किया कि सरकार को मजबूर होकर जाति जनगणना करानी पड़ी। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि सरकार ने कैसे निर्धारित किया कि लोकसभा सदस्यों की संख्या 815 करनी है? गोगोई ने आरोप लगाया कि सरकार परिसीमन को राजनीति हथियार के रूप में इस्तेमाल करनी चाहती है। उन्होंने कहा, हमारे राष्ट्र निर्माताओं ने परिसीमन की व्यवस्था राजनीतिक हथियार के लिए नहीं की थी लेकिन यह सरकार परिसीमन को निम्न स्तर की राजनीति के लिए इस्तेमाल कर रही है।

बिना एलपीजी सिलिंडर मिले उपभोक्ताओं को डिलीवर होने का मैसेज मिलने का सिलसिला जारी

प्रयागराज। कई उपभोक्ताओं के मोबाइल पर बुकिंग के बाद बिना एलपीजी सिलिंडर मिले डिलीवर होने मैसेज आ जा रहा है। इसके वो परेशान होकर गैस एजेंसियों के कार्यालय पहुंच रहे हैं। कई उपभोक्ताओं के मोबाइल पर बुकिंग के बाद बिना एलपीजी सिलिंडर मिले डिलीवर होने मैसेज आ जा रहा है। इसके वो परेशान होकर गैस एजेंसियों के कार्यालय पहुंच रहे हैं। मम्फोर्डगंज स्थित अमर ज्वाला गैस सर्विस के कई उपभोक्ताओं को इस तरह

का मैसेज मिला है। मम्फोर्डगंज के रहने वाले अंबुज राय ने बताया कि 26 मार्च को सिलिंडर बुक किया। आठ अप्रैल को डिलीवर होने का मैसेज आ गया। अब 21 अप्रैल को सिलिंडर देने के लिए कह रहे हैं। इसी तरह मम्फोर्डगंज के ही राजेंद्र कुमार ने चार अप्रैल को बुक किया और 10 अप्रैल को डिलीवर का मैसेज आ गया। तेलियरगंज के रहने वाले धर्मेंद्र सिह ने 22 मार्च को बुक किया और 29 मार्च को डिलीवर होने का मैसेज आ गया। अशोक नगर के शईम इदरीसी ने 19 मार्च को बुक किया और सात अप्रैल को डिलीवर होने का मैसेज आ गया। गैस एजेंसी में शिकायत करने वाले इन सभी उपभोक्ताओं को करीब एक सप्ताह बाद सिलिंडर उपलब्ध कराए जाने के लिए कहा गया है। वहीं, गोविंदपुर के बिंदु कुमार ने बताया कि 25 मार्च को बुक किया और उसके बाद सब्सिडी भी आ गई, लेकिन सिलिंडर नहीं मिला। पहले एजेंसी में 15 अप्रैल को सिलिंडर दिए जाने के लिए कहा गया और अब 21 अप्रैल को सिलिंडर देने के लिए कहा जा रहा है।

बर्खास्त लेखपाल पर विजिलेंस जांच के आदेश, 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बर्खास्त लेखपाल पर लगे गंभीर आरोपों को लेकर विजिलेंस जांच कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने एडीजी एसटीएफ की अध्यक्षता में गठित टीम को 15 दिन में जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बर्खास्त लेखपाल पर लगे गंभीर आरोपों को लेकर विजिलेंस जांच कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने एडीजी एसटीएफ की अध्यक्षता में गठित टीम को 15 दिन में जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। साथ ही कानपुर नगर के कमिश्नर

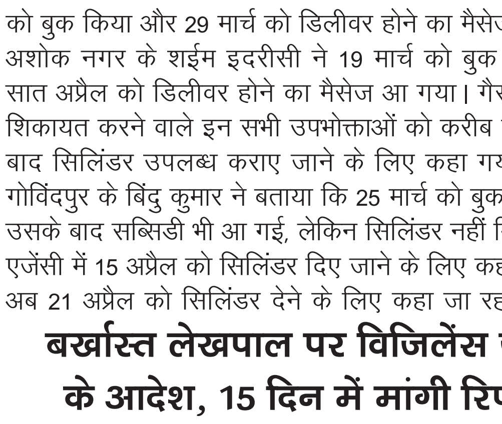

और याची को जांच में पूरा सहयोग करने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने आलोक दूबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। कानपुर नगर के आलोक दूबे पहले लेखपाल पद पर तैनात थे। 1993 में उन्हें राजस्व निरीक्षक पद पर पदोन्नति मिली। आरोप है कि 2019 से 2024 के बीच उन्होंने अपने, पत्नी और बच्चों के नाम पर 45 जमीनों का बैनामा कराया। डीएम ने उन्हें पदावनत कर लेखपाल बना दिया। इस आदेश के खिलाफ अपील पर कमिश्नर ने सजा बढ़ाते हुए बर्खास्तगी का आदेश पारित कर दिया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि सजा बढ़ाते समय कारण स्पष्ट नहीं किए गए और न ही याची को सुनवाई का अवसर दिया गया, जो नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है। वहीं, सरकार की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपों की गंभीरता और व्यवस्था में जनविश्वास बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनदेखी पर हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह और आगरा डीसीपी से मांगा जवाब

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय विधि के विपरीत पुलिस विभाग की ओर से आदेश पारित किए जाने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर पारित आदेश न केवल अवैध है, बल्कि अवमानना भी है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय विधि के विपरीत पुलिस विभाग की ओर से आदेश पारित किए जाने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर पारित आदेश न केवल अवैध है, बल्कि अवमानना भी है। कोर्ट ने लखनऊ के प्रमुख सचिव गृह और आगरा के डीसीपी से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर जवाब मांगा है।

यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकल पीठ ने हरगोविंद सिंह यादव की याचिका पर दिया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि पुलिस विभाग ने 2008 में किए गए कथित गलत वेतन निर्धारण के आधार पर याची की पेंशन में कटौती कर दी, जो पूरी तरह अवैध है। यह कार्रवाई 16 जनवरी 2007 के शासनादेश और सुप्रीम कोर्ट के सुशील कुमार सिंघल मामले में दिए गए फैसले का खुला उल्लंघन है।

कोर्ट में तारीख लगने के कारण अतिक्रमण हटाने आए अफसर वापस लौटे

प्रयागराज। आवास विकास परिषद की योजना तीन में बिजली उपकेंद्र के सामने 900 वर्ग मीटर की जमीन को लेकर चल रहे विवाद के बीच बुधवार को नया मोड़ आ गया। करोड़ों की जमीन को आवास विकास परिषद ने अपना बताया था। कुछ रोज पहले उक्त जमीन पर काबिज दुकानदारों की दुकान पर नोटिस चस्पा किया गया था। साथ ही अगले दिन मुनादी कराकर 13 अप्रैल तक जमीन को खाली करने का निर्देश दिया था। बुधवार को आवास विकास के अधिशासी अभियंता रजनीश श्रीवास्तव, सहायक अभियंता घनश्याम वर्मा जेसीबी और ट्रैक्टर लेकर झूंसी थाने पहुंचे। थाने से पुलिस फोर्स मांगी गई। तभी दूसरे पक्ष के लोग भी कई अधिवक्ताओं के सामने थाने पहुंचे और बताया गया कि 16 अप्रैल को कोर्ट में सुनवाई की तारीख है। कोर्ट के निर्णय के बाद ही कार्रवाई की जा सकती है। तय हुआ कि अब कोर्ट के आदेश के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। दोपहर करीब तीन बजे परिषद के अफसर और कर्मचारी जेसीबी व ट्रैक्टर के साथ वापस लौट गए।

50 मीटर तक बिखर गए शवों के टुकड़े, ट्रेन की चपेट में आकर पांच लोगों की मौत

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में दर्दनाक हादसा हुआ है। करछना के पचदेवरा ग्राम सभा स्थित ओवरब्रिज के नीचे रेलवे लाइन पर बुधवार शाम 6रू47 बजे पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के शिकार लोग नेताजी एक्सप्रेस से सफर कर रहे थे। ट्रैक पर पड़े शव के कारण ट्रेन रोकी गई तो वे उसे देखने नीचे उतरे थे।

प्रयागराज में पचदेवरा में ट्रेन की चपेट में आकर पांच लोगों की मौत असुरक्षित सफर की दर्दनाक बानगी है। प्रत्यक्षदर्शी यात्रियों के मुताबिक, ट्रेन को आता देख उन्होंने शोर मचाया लेकिन ट्रैक पर खड़े लोगों को बचने का मौका न मिल सका।

हादसे के बाद करीब 50 मीटर में ट्रैक के आसपास खून ही खून फैल गया और शवों के टुकड़े बिखर गए। पचदेवरा गांव निवासी संतोष कुमार, विमलेश यादव, गिरधारी मिश्र आदि लोगों ने बताया कि शाम को एक ट्रेन काफी देर से खड़ी थी।

इसी बीच अचानक यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। गांव के लोग जब मौके पर पहुंचे तो ट्रैक पर बिखरे शवों के टुकड़ों को देख कांप गए। यात्रियों ने पुलिस को बताया कि दूसरे ट्रैक पर आ रही ट्रेन लगातार हॉर्न दे रही थी। कई लोगों ने चिल्लाकर सावधान भी किया लेकिन देर हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और रेलवे ट्रैक पर दूर तक बिखरे शवों के टुकड़े एकत्र किए। ग्रामीणों ने भी पुलिसकर्मियों का सहयोग किया। फिरोजाबाद के थाना खैरगढ़ क्षेत्र के गांव पृथ्वीपुर निवासी 19 वर्षीय आकाश अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने कोलकाता जा रहा था। उसके साथ अजय निवासी कोलकाता समेत अन्य लोग भी थे, लेकिन वे सफर के दौरान काल के गर्भ में समा गए। कुछ लोगों का कहना है कि पचदेवरा हॉल्ट के पास अचानक एक यात्री के ट्रेन से गिरने की सूचना पर किसी ने चेन पुलिंग कर दी। ट्रेन रुकते ही कई यात्री नीचे उतर गए। कुछ लोग किनारे जाकर पेशाब करने लगे।

इसी बीच नेताजी एक्सप्रेस

ने हॉर्न दिया। ट्रेन चलने का संकेत मिलते ही सभी यात्री जल्दबाजी में वापस डिब्बों की ओर दौड़ पड़े, लेकिन विपरीत दिशा से आ रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस पांच लोगों के लिए काल बन गई।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आकर पांच लोगों की मौत

यूपी के प्रयागराज में दर्दनाक हादसा हुआ है। करछना के पचदेवरा ग्राम सभा स्थित ओवरब्रिज के नीचे रेलवे लाइन पर बुधवार शाम 6रू47 बजे पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के शिकार लोग नेताजी एक्सप्रेस से सफर कर रहे थे। ट्रैक पर पड़े शव के कारण ट्रेन रोकी गई तो वे उसे देखने नीचे उतरे थे।

फिरोजाबाद जनपद के थाना खैरगढ़ इलाके से एक परिवार के चार सदस्य नेताजी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12312) से कोलकाता जा रहे थे। पचदेवरा के पास ट्रेन रोकी गई। ट्रैक पर पहले से एक व्यक्ति का शव पड़ा था, जिसे देखने के लिए कुछ यात्री ट्रेन से नीचे उतर आए। इसी बीच विपरीत दिशा से पुरुषोत्तम एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12801) आ गई।

जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक पांच लोग ट्रेन की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतकों में फिरोजाबाद निवासी एक ही परिवार के आकाश (17 वर्ष) पुत्र गिरिराज, बलराम (23 वर्ष) पुत्र मुन्ना पासी तथा उनकी भाभी व एक अन्य सदस्य शामिल हैं।

एक युवक की पहचान मिर्जापुर जनपद के नीबी विशुंदरपुर निवासी सुनील कुमार (20 वर्ष) पुत्र संतलाल के रूप में हुई है, जो किसी कार्य से प्रयागराज आया था और घर लौट रहा था। घटना में मिर्जापुर के ही नकहरा निवासी प्रिंस गौतम पुत्र लालचंद बाल–बाल बच गए। हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रैक पर पाहले से एक व्यक्ति का शव पड़ा था। इस कारण ट्रेन रोकी गई थी। उसी को देखने के लिए यात्री नीचे उतर आए थे। इसी दौरान प्रयागराज की ओर आ रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आने से हादसा हुआ। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। मृतकों की शिनाख्त एवं अन्य तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। रेलवे प्रशासन की ओर से मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है।–प्रशांत वर्मा, एसपी जीआरपी

हादसे के बाद जहां की तहां रोकी गई महानंदा समेत कई ट्रेनें, रेलवे बोर्ड तक मचा हड़कंप

प्रयागराज। दिल्ली–हावड़ा रेलमार्ग पर प्रयागराज और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के बीच पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई।

दिल्ली–हावड़ा रेलमार्ग पर प्रयागराज और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के बीच पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई। जिसके बाद इस रूट पर ट्रेनों का संचालन पूरी तरह ठप हो गया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए सीनियर डीएससी विजय प्रकाश पंडित ने टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

इस दुर्घटना का सबसे ज्यादा असर डाउन लाइन की ट्रेनों के संचालन पर पड़ा। घटना के बाद पंडित दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) की ओर से आने वाली महाबोधि

एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल बहुत देर तक बीच रास्ते खड़ी रहीं। जिससे यात्रियों को असुविधा हुई। वहीं, दिल्ली से आ रही महानंदा एक्सप्रेस का संचालन भी प्रभावित हुआ।

डाउन लाइन बाधित होने के चलते नेताजी एक्सप्रेस भी काफी देर ट्रैक पर खड़ी रही। प्रयागराज जंक्शन से शाम 5.26 बजे रवाना होने के बाद ट्रेन छह बजे के आसपास करछना पहुंच चुकी थी। इसी दौरान पुरुषोत्तम एक्सप्रेस से हादसा हो गया।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक घटना की जानकारी मिलते ही राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि यात्री ट्रैक पर कैसे आ गए और हादसे की मुख्य वजह क्या रही। इसकी जांच की जा रही है। घटना की वजह से कुछ ट्रेनें रोकी गई थी फिलहाल संचालन सामान्य हो गया है।

उधर घटना की सूचना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मामला रेलवे बोर्ड तक कुछ ही देर में पहुंच गया। इस पर चेयरमैन रेलवे बोर्ड सतीश कुमार ने एनसीआर के वरिष्ठ अफसरों से फोन पर वार्ता कर पूरी जानकारी ली। अफसरों ने उन्हें आश्वस्त किया कि इस मामले में उन्हें जल्द ही जांच रिपोर्ट भेज दी जाएगी।

हाईकोर्ट पहुंची बेटी बोली-करना चाहती हूं सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी, पिता ने कहा...गलत राह पर हो

प्रयागराज। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में परिवार को बाधक बताकर मुरादाबाद की युवती ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं, पिता ने बेटी की गुमशुदगी दर्ज करा साथ रहने वाली सहेली पर उसे बहलाकर गलत काम में धकेलने का आरोप लगाया है।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में परिवार को बाधक बताकर मुरादाबाद की युवती ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं, पिता ने बेटी की गुमशुदगी दर्ज करा साथ रहने वाली सहेली पर उसे बहलाकर गलत काम में धकेलने का आरोप लगाया है। मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने मुरादाबाद के एसएसपी को पिता–पुत्री के बीच उपजे विवाद की सच्चाई पता लगा कर सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

मामला छजलैट थाना क्षेत्र का है। पिता ने बेटी की

गुमशुदगी दर्ज कराई। उधर बेटी, उसके साथ रह रही सहेली ने पिता और अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ याचिका दाखिल कर कोर्ट से सुरक्षा की मांग की है। याची युवती का दावा है कि वह बालिग है। मुरादाबाद के पीतल नगरी में अपनी सहेली संग रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहती है। उसकी सहेली उसे आर्थिक सहायता मुहैया करा रही है। जबकि, उसके पिता और अन्य रिश्तेदार इसका विरोध कर रहे है। वह पढ़ाई छुड़वा कर उसे घर ले जाना चाहते हैं।

याची के अधिवक्ता ठाकुर प्रसाद दुबे ने दलील दी कि बालिग बेटी को पढ़ाई करने, अपनी मर्जी से नौकरी की तैयारी करने से रोकना स्वतंत्रता के अधिकार का हनन है। वहीं, दूसरी तरफ पिता के अधिवक्ता राजेश कुमार यादव ने सनसनीखेज दावा किया। कहा कि बेटी सहेली के बहकावे में है। एक अप्रैल से गायब है। इसकी गुमशुदगी की एनसीआर थाने में दर्ज कराई गई है। पिता का आरोप है कि उसकी सहेली बेटी को गुमराह कर गलत कामों में धकेलने की कोशिश कर रही है।

मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए कोर्ट ने एसएसपी मुरादाबाद जांच का आदेश दिया है। कहा है कि मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी से कराई जाए। पता लगाया जाए कि क्या वाकई युवती के सिविल सेवा की तैयारी से रोका जा रहा है।

फर्जी दूतावास चलाने के मामले में आरोपी को मिली जमानत, गाजियाबाद में दर्ज है मुकदमा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के कवि नगर में फर्जी दूतावास चलाने और लोगों से धोखाधड़ी करने के आरोपी हर्षवर्धन जैन की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की एकल पीठ ने दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के कवि नगर में फर्जी दूतावास चलाने और लोगों से धोखाधड़ी करने के आरोपी हर्षवर्धन जैन की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की एकल पीठ ने दिया है।

आरोप है कि हर्षवर्धन ने अपने निवास स्थान पर विभिन्न देशों के झंडे और गाड़ियों पर राजनयिक नंबर प्लेट लगाकर फर्जी दूतावास चला रहे थे। पुलिस को छापे के दौरान वहां से कई देशों के पासपोर्ट, आईडी कार्ड, मुहर, विदेशी मुद्रा और महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ तस्वीरें बरामद की गई थीं। अभियोजन पक्ष का दावा था कि इन प्रतीकों का उपयोग लोगों को ठगने और खुद को राजनयिक के रूप में पेश करने के लिए किया जा रहा था।

आरोपी ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दायर की। याची के वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि बरामद पासपोर्ट और नंबर प्लेट केवल स्मृति चिह्न के रूप में थे, जिन्हें छोटे देशों की ओर से जारी किया गया था। इनका उपयोग कभी भी आधिकारिक यात्रा या किसी को गुमराह करने के लिए नहीं किया गया। साथ ही यह भी तर्क दिया गया कि गाड़ियों पर वास्तविक भारतीय रजिस्ट्रेशन नंबर मौजूद थे। उनके नीचे केवल प्रदर्शन के लिए स्मृति प्लेट्स लगाई गई थीं।

आरोपी के पास से मिली नकदी रिश्तेदारों से उधार ली गई थी। उनकी ओर से संचालित 22 कॉरपोरेट संस्थाएं पूरी तरह वैध हैं। वहीं, सरकारी वकील ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। कोर्ट ने पाया कि चार्जशीट 16 अक्तूबर 2025 को दाखिल हो चुकी है। याची 23 जुलाई 2025 से जेल में है। इन आधारों पर याची को सशर्त जमानत दे दी।

एसआईटी का गठन बन गया है फैशन, लापता युवक के मामले में 10 दिन का दिया वक्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लापता युवक के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई। कहा कि आजकल एसआईटी (विशेष जांच टीम) का गठन एक फैशन बन गया है, जबकि गुमशुदा को तलाशना पुलिस का मूल कर्तव्य है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लापता युवक के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई। कहा कि आजकल एसआईटी (विशेष जांच टीम) का गठन एक फैशन बन गया है, जबकि गुमशुदा को तलाशना पुलिस का मूल कर्तव्य है।

कोर्ट ने पुलिस को 10 दिन का अंतिम मौका देते हुए चेतावनी दी। कहा कि इस अवधि में युवक को तलाश नहीं पाए तो फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक(एसपी) को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होना पड़ेगा। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने शाहीन बेगम की ओर से दायर याचिका पर दिया। शाहीन बेगम ने आरोप लगाया है कि उनका बेटा 2025 से लापता है। 21 अगस्त 2025 से 13 मार्च 2026 तक कई बार सुनवाई हो चुकी है पर अब तक कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस की ओर से दलील दी गई कि युवक की तलाश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और कई टीम लगी हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि यदि युवक की मृत्यु हो गई है या वह देश छोड़कर चला गया है तो पुलिस ठोस साक्ष्य प्रस्तुत करे। अन्यथा पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह हर हाल में युवक का लापता लगाए। 27 अप्रैल को मामले की सुनवाई होगी। कोर्ट में उपस्थित दोनों सब–इंस्पेक्टरों की व्यक्तिगत उपस्थिति अगली तारीख पर भी अनिवार्य रखी गई है।

स्कूटी पलटने से युवक की मौत, नहीं पहने था हेलमेट, रीवा का का रहने वाला था

प्रयागराज। जिले की सीमा पर आठ अप्रैल की रात हुए सड़क हादसे में घायल एक युवक की जान चली गई। हेलमेट न पहने होने के कारण उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिले की सीमा पर आठ अप्रैल की रात हुए सड़क हादसे में घायल एक युवक की जान चली गई। हेलमेट न पहने होने के कारण उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। मध्य प्रदेश के रीवा जनपद के बरहा गांव निवासी 25 वर्षीय सत्यम सिंह पुत्र मानसिंह ने एक अप्रैल को किस्त पर नई स्कूटी खरीदी थी। आठ अप्रैल की रात करीब आठ बजे वह स्कूटी में तेल भरवाने के लिए प्रयागराज सीमा स्थित पेट्रोल पंप पर आया था। लौटते समय उसकी स्कूटी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोट लगी। स्थानीय लोगों की मदद से उसे शंकरगढ़ सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया। बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सत्यम के चाचा देशराज ने बताया कि वह अपने बड़े भाई शिवम के साथ सूरत में रहकर एक निजी कंपनी में काम करता था और होली पर घर आया था। कुछ दिन पहले ही उसने नई स्कूटी खरीदी थी। देशराज ने कहा कि अगर सत्यम ने हेलमेट पहना होता तो उसकी जान बच सकती थी। परिवार में पिता मानसिंह, बड़ा भाई शिवम और बहन एकता है। बताया गया कि पिता का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है। पोस्टमार्टम के बाद बुधवार को परिजन शव लेकर रीवा रवाना हो गए।

औषधि निरीक्षक स्क्रीनिंग परीक्षा 16 दिसंबर को, कार्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड

प्रयागराज। लोक सेवा आयोग के खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग की औषधि निरीक्षक के 26 पदों पर स्क्रीनिंग परीक्षा 16 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। लोक सेवा आयोग के खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग की औषधि निरीक्षक के 26 पदों पर स्क्रीनिंग परीक्षा 16 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। इसके लिए पाठ्यक्रम व परीक्षा योजना आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। उपसचिव कमलेश चंद्र के बताया कि परीक्षा की अवधि दो घंटे होगी। जिसमें सामान्य अध्ययन के 50 व फार्मेसी विषय के 100 प्रश्न होंगे। सभी प्रश्न तीन अंक के होंगे। स्क्रीनिंग परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी का साक्षात्कर होगा। लोक सेवा आयोग की राजकीय राजकीय इंटर कालेज (जीआईसी) प्रवक्ता प्रारंभिक परीक्षा–2025 परीक्षा तीन मई की जगह सात जून को होगी। तीन मई को नीट(यूजी)–2026 व उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अवर अभियंता (सिविल) की परीक्षा होने के कारण परीक्षा तिथि में बदलाव किया गया है। लोक सेवा आयोग प्रभारी सचिव गौरव रंजन श्रीवास्तव ने प्रदेश के सभी डीएम को इस संबंध में पत्र लिखकर अवगत कराया है। उन्होंने बताया कि 384 अभ्यर्थियों से कम क्षमता वाले विद्यालय को केंद्र नहीं बनाया जाएगा। 19 जून 2024 के शासनादेश का हवाला देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण परीक्षा केंद्र के चयन के लिए डीएम की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जाए।

संक्षिप्त

ट्रेनें दौड़ रहीं, कन्फर्म टिकट की तलाश में स्टेशन पर छूट रहे यात्री, मुंबई जाने में छूट रहे पसीने

लखनऊ, संवाददाता। प्रतिभा पांडेय सीनियर सिटिजन हैं। इलाज के लिए वह बीते दिनों मुंबई गई थीं। अब घर लौटने के लिए पांच दिनों से कन्फर्म सीट के लिए टिकट पर टिकट करा रही हैं, लेकिन लंबी वेटिंग ने उनकी परेशानियां बढ़ा दी हैं। तत्काल कोटे ने भी निराश किया है। प्रतिभा की ही तरह कई यात्रियों को मुंबई से वापसी के लिए कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहे। मुंबई से लखनऊ आने वाली पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में 16 व 17 अप्रैल को सीटें फुल हैं। 18 को 82 वेटिंग है। एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस की स्लीपर में उपरोक्त तारीखों पर 106, 108, 126 व थर्ड एसी में 87, 61, 68 वेटिंग चल रही है। कुशीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर में रिग्रेट चल रहा है। मुंबई–गोरखपुर स्पेशल ट्रेन की स्लीपर में 111, 98, 90 व थर्ड एसी में 63, 55, 51 वेटिंग व अवध एक्सप्रेस की स्लीपर व थर्ड एसी रिग्रेट है। तत्काल कोटा भी राहत नहीं दे रहा है। बुधवार को तत्काल कोटे की 124 सीटें थीं, जिनमें 80 स्लीपर की थीं। कोटा खुलते ही ये सभी सीटें भर गई। लखनऊ से मुंबई जाने में भी छूट रहे पसीनेरू मुंबई से आना ही नहीं, वहां जाना भी यात्रियों के पसीने छुड़ा रहा है। लखनऊ से मुंबई जाने वाली सीतापुर एलटीटी एक्सप्रेस की स्लीपर में 16, 19, 21 अप्रैल को 99, 55, 60 तथा थर्ड एसी में 32, 23, 21 वेटिंग है। उद्योगनगरी एक्सप्रेस की स्लीपर में 40, 49, 44 व थर्ड एसी में तीन, पांच, आठ वेटिंग है। गोरखपुर पनवेल एक्सप्रेस की स्लीपर में 16, 17 अप्रैल को 79, 89 व थर्ड एसी में 57, 41 वेटिंग है। पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में 16, 17, 18 अप्रैल को 62, 56, 62 व थर्ड एसी में 31, 33, 27 व कुशीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर में

63, 64, 47 व थर्ड एसी में 41, 30, 23 वेटिंग है।

मोहनलालगंज के युवक की कुवैत मे संदिग्ध मौत, पत्नी को शौहर के शव का इन्तजार

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज के भदेसुआ गांव के एसी मैकेनिक इश्तियाक (28) की कुवैत मे संदिग्ध हालत मे मौत हो गई। युवक के पत्नी को अपने शौहर के शव का इन्तजार है लेकिन विदेश से देश मे शव लाने मे आ रही अड़चनों के कारण परिवार मायूस है। भदेसुआ गांव के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोनू यादव ने बताया कि गांव के मुस्ताक का बेटा इत्लियाक अलक कुवैत मे एक निजी कंपनी मे एसी मैकेनिक है। मैकेनिक का 24 नवंबर 2025 को विवाह हुआ जिसके बाद वह 10 जनवरी 2026 को कुवैत चला गया था। 13 अप्रैल को मैकेनिक ने अपनी पत्नी अफरीन बानो को फोन किया था लेकिन बात न होने पर उसने पति को फोन किया था फोन बंद था और थोड़ी ही देर मे पति की मौत की खबर आ गई। गांव के कुछ लोग मैकेनिक के साथ ही कंपनी मे काम करते हैं उन लोगों ने फोनकर युवक के पिता को बताया कि इत्लियाक बाथरूम गये थे और वहीं उनकी मौत हो गई लेकिन बेटे की अचानक मौत होने पर शंका व्यक्त करते हुए किसी अनहोनी की बात कह रहे हैं। युवक के पिता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के साथ विदेश मंत्रालय पहुंचकर बेटे के शव को देश लाए जाने की गुहार लगाएंगे।

अफसर पोर्टल अपडेट करने में व्यस्त, स्कूली वाहनों की जांच नहीं हुई शुरु

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में स्कूली वाहनों का विवरण उत्तर प्रदेश एकीकृत स्कूल वाहन प्रबंधन पोर्टल पर अपलोड करने की मियाद बुधवार को पूरी हो गई। हालांकि, यह काम अब भी अधूरा है। इस दौरान स्कूली वाहनों की जांच का अभियान भी प्रभावित हुआ है। राजधानी में अनफिट और बगैर अनुमति पत्र वाले स्कूली वाहन दौड़ रहे हैं। इनसे होने वाले हादसों में स्कूली बच्चों की जान जोखिम में पड़ती है। ऐसे में स्कूली वाहनों का विवरण पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। पहली अप्रैल से शुरू हुए इस काम को 15 दिन में पूरा करना था। इसके लिए आरटीओ प्रवर्तन की टीम ने मोर्चा संभाला और ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ के बाबुओं को भी ड्यूटी दी गई। हालांकि, काम अब भी पूरा नहीं हुआ है। विवरण दर्ज करने की स्थिति आरटीओ प्रवर्तन प्रभात पांडेय के अनुसार, राजधानी में कुल 4,491 स्कूलों में से 4,277 स्कूलों को पोर्टल पर दर्ज किया जा चुका है। 316 स्कूल ऐसे हैं, जिनके पास अपने वाहन हैं, वे भी पोर्टल पर दर्ज हो गए हैं। स्कूलों के नाम पर 1,797 वाहन पंजीकृत हैं। इनमें से 1,482 वाहनों का विवरण दर्ज हो चुका है। 1,247 वाहनों का निरीक्षण निर्धारित किया गया था, जिनमें से 1,078 के निरीक्षण पूरे हुए हैं। शेष वाहनों का ब्योरा दर्ज होने में अभी एक हफ्ते का समय और लगेगा। जांच अभियान और चुनौतियांरू बुधवार से स्कूली वाहनों की जांच का अभियान शुरू होना था लेकिन पोर्टल के काम के कारण जांच शुरू नहीं हो सकी। अधिकारियों के मुताबिक, एक हफ्ते बाद जांच शुरू होगी। पोर्टल पर इसमें ऐसे वाहनों की डिटेल अपलोड करने में खास दिक्कतें आ रही हैं, जिनके परमिट खत्म हो चुके हैं।

लखनऊ अग्निकांड-घटनास्थल पर सिर्फ राख और जल चुका गृहस्थी का सामान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में बुधवार शाम को लगी आग में 250 से ज्यादा झोपड़ियां राख हो गईं। 2 मासूम बहनें जिंदा जल गईं। इनमें एक 2 साल तो दूसरी 2 महीने की थी। गुरुवार सुबह घटनास्थल पर सिर्फ राख और जल चुका गृहस्थी का सामान नजर आया। बेघर हुए ये लोग राख में सामान तलाश रहे हैं। अलमारी, फ्रिज, बाइक जैसी चीजें राख में मिल गईं। बेघर हुए कुछ परिवारों को अफसरों ने रात में ही रैन बसेरों में भेजा था, जबकि कुछ ने पास के खाली प्लॉट में रात बिताई। महिलाओं ने रोते हुए आरोप लगाया कि कोठीवालों ने उनकी झोपड़ियों में आग लगा दी। उन्हें पहले धमकाया गया था कि झोपड़ियां हटा लो, नहीं तो गोली मार दी जाएगी। हम नहीं हटे, तो झोपड़ियों में आग लगा दी। उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी भर की कमाई राख हो गई।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने गौ-सेवा कर दिया पशु संरक्षण का संदेश

जिला पंचायत अध्यक्ष बछड़े को दुलार कर बोले... गौ-सेवा ही परम धर्म

मथुरा। ब्रज की पावन धरा पर गौ–सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष एवं के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौशाला में उन्होंने गौ–वंश की सेवा कर आमजन को पशु संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

गौशाला भ्रमण के दौरान विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी एक अलग ही भावनात्मक रूप में नजर आए। उन्होंने गौशाला में जन्मे एक नन्हे बछड़े को अपनी गोद में उठाकर काफी देर तक दुलार किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी गौ–माताओं को अपने हाथों से गुड़ और चना खिलाया। उनके इस आत्मीयता ने वहां मौजूद सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। अपनी माटी और संस्कृति से गहरा जुड़ाव रखने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष के बारे में यह सर्वविदित है कि उनकी दैनिक दिनचर्या की शुरुआत ही गौ–सेवा से होती है। इस अवसर पर उन्होंने कहा "हमारी

संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और माना जाता है कि इसमें 33 करोड़ देवी–देवताओं का वास होता है। गौ–सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता और करुणा का प्रतीक है। जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से गाय की सेवा करता है, उसे न केवल पुण्य मिलता है बल्कि मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।" गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गौशाला के प्रबंधन को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की गौशाला में गौ–वंश के लिए नियमित भोजन, शुद्ध जल और उचित देखभाल की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने साफ–सफाई और पशुओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण (हेल्थ चेकअप) पर विशेष जोर दिया ताकि किसी भी पशु को कोई कष्ट न हो।

इस दौरान उन्होंने समाज के युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों से अपील की कि वे भी अपने सामर्थ्य अनुसार गौ–सेवा और पशु संरक्षण के कार्यों में आगे आएं, जिससे समाज में सद्भाव और करुणा का विस्तार हो सके।

होम्योपैथी शरीर की प्राकृतिक निदान शक्ति को बढ़ाती है- आंध्र के गवर्नर श्री एस. अब्दुल नज़ीर

ताडेपल्लीगुडेम/पिठापुरम। होलिस्टिक हेल्थकेयर की एक बड़ी पहचान देते हुए, आंध्र प्रदेश के माननीय गवर्नर, श्री एस. अब्दुल नज़ीर ने एएसआरएम होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एएसआरएचएमसी) और उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (यूएआरडीटी) की मिली–जुली कोशिशों के लिए एक प्रशस्ति पत्र जारी की है।

गवर्नर का यह मैसेज वर्ल्ड होम्योपैथी वीक 2026 के मिले–जुले सेलिब्रेशन के दौरान जारी किया गया, जो होम्योपैथी के पितामह डॉ. सैमुअल हैनीमैन की 271वीं जयंती के मौके पर मनाया जा रहा है।

लोक भवन से अपने ऑफिशियल मैसेज में, श्री एस. अब्दुल नज़ीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वास्थ्य सिर्फ़ बीमारी न होने से कहीं ज़्यादा है।

होम्योपैथिक प्रणाली तारीफ़ करते हुए, गवर्नर ने कहा– "होम्योपैथी सिर्फ़ बीमारी के लक्षणों के बजाय उसके कारणों को ठीक करने पर ध्यान देती है और यह शरीर की अपनी नैचुरल हीलिंग पावर को बढ़ाती है ताकि सेहत, शक्ति और सेहतमंदी आए।

गवर्नर ने आगे कहा कि होम्योपैथी, माहौल की चुनौतियों के हिसाब से बायोलॉजिकल सिस्टम की क्षमता को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने एएसआरएचएमसी और यूएआरडीटी द्वारा चलाए जा रहे प्रोग्राम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। अवेयरनेस वीक को देखते हुए, एएसआरएचएमसी और ट्रस्ट ने कई बड़े हेल्थ प्रोग्राम किए, जिनमें शामिल हैं। जागरुकता सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सेलिब्रेशन का समापन 10 अप्रैल को डॉ. सैमुअल हैनीमैन को एक बड़ी श्रद्धांजलि के साथ हुआ।

एएसआरएचएमसी के प्रिंसिपल प्रो. डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने गवर्नर के सपोर्ट के महत्व पर कहारूकि हम माननीय गवर्नर के शब्दों से बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह पहचान होलिस्टिक, नेचुरल हेल्थकेयर को सभी के लिए आसान बनाने और डॉ. सैमुअल हैनीमैन के सोचे हुए होम्योपैथी के साइंस को आगे बढ़ाने के हमारे मिशन को मज़बूत करती है।

पुलिस ने गैंगस्टर पर की बड़ी कार्रवाई, पांच करोड़ 78 लाख की चल-अचल संपत्ति कुर्क की

लखनऊ, संवाददाता। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बृहस्पतिवार को मोहनलालगंज और नगराम पुलिस ने राजस्व टीम के साथ मिलकर बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट में नामजद आरोपियों की करीब पांच करोड़ अठत्तर लाख साठ हजार बीस रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली। मोहनलालगंज पुलिस, नगराम पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने गैंगस्टर एक्ट की के तहत गैंग लीडर प्रमोद कुमार उपाध्याय और उसके गिरोह की चल व अचल संपत्तियों को कुर्क किया। जांच में सामने आया है कि गैंग लीडर प्रमोद कुमार उपाध्याय मोहनलालगंज क्षेत्र में 'कान्हा उपवन' नाम से प्लॉटिंग साइट संचालित करता था। इस साइट के जरिए भोले–भाले ग्राहकों को सस्ते और आकर्षक प्लॉट का लालच देकर फंसाया जाता था। गिरोह फर्जी कागजात तैयार कर जमीन की रजिस्ट्री कर देता और इसके बाद ग्राहकों से लिया गया पैसा हड़प लिया जाता था। इतना ही नहीं, जब कोई पीड़ित अपना पैसा वापस मांगने पहुंचता तो उसे जान से मारने की धमकी दी जाती थी। आरोप है कि असलहों के बल पर लोगों को डराकर भगा दिया जाता था। इस गिरोह ने इसी तरीके से सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की है।

एसीपी विकास पांडेय ने बताया कि आरोपी संगठित गिरोह बनाकर धोखाधड़ी, कूटरचना और फर्जी दस्तावेजों के जरिए अपराध करते थे। यह गिरोह खुद को रियल एस्टेट कंपनी का प्रतिनिधि बताकर विवादित या फर्जी जमीन दिखाता था। खास बात यह है कि सेना और अर्द्धसैनिक बलों के कर्मचारियों को भी निशाना बनाया जाता था।

वर्ष 2020 से अब तक इनके खिलाफ मोहनलालगंज, पीजीआई, सरोजनीनगर, कैंट और आशियाना थानों में कुल 66 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं। मोहनलालगंज पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में गैंग लीडर प्रमोद कुमार उपाध्याय, उसके भाई विनोद कुमार उपाध्याय, मदन राम, ओंकारनाथ पाण्डेय और सीमा उपाध्याय को नामजद किया है। सभी का मूल निवास बलिया जनपद बताया जा रहा है, जबकि वर्तमान में यह लोग लखनऊ के ओमेक्स सिटी, बिजनौर क्षेत्र में रहकर गिरोह संचालित कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ओमेक्स सिटी स्थित प्लॉट संख्या ।–21घ–21 और अर्धनिर्मित मकान को कुर्क किया। इसके अलावा टोयोटा इनोवा, मारुति स्विफ्ट और महिंद्रा बोलेरो समेत तीन वाहन भी जब्त किए गए।

इंस्पेक्टर बृजेश त्रिपाठी कहना है कि अपराध से अर्जित संपत्ति को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे गिरोहों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस बड़ी कार्रवाई से जहां अपराधियों में खौफ व्याप्त है, वहीं पीड़ितों में न्याय की उम्मीद भी जगी है।

लखनऊ में सुबह से चल रहे गर्म हवा के थपेड़े

निकली तेज धूप, दोपहर में झोंकेदार हवा करेगी परेशान, 40°C पहुंचेगा तापमान

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में लगातार गर्मी का असर बढ़ रहा है। आज गुरुवार सुबह से तेज धूप निकली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। सुबह से ही घर के बाहर निकलने में लोग एहतियात बरत रहे हैं। दिन में झोंकेदार गर्म हवा का असर बना रहेगा। बुधवार को अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.8 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 54 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 15 फीसदी रही। उत्तर प्रदेश में सामान्य मौसम और गर्म पछुआ हवाओं का असर तेजी से देखने को मिल रहा है। पिछले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में औसतन 8 से 10°C की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे प्रदेश भर में तापमान सामान्य स्तर तक पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान 40°C से ऊपर जाने और सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

गाँव में बस्ती रहती

(छप्पय)

अति सुंदर है गाँव गाँव का जीवन–सच्चा।
माटी से कर बात बताते उसको अच्छा।
नूतनता के साथ भोर हरियाली लाती।
चौपालों की शाम सुखद बन सबको भाती।
धर्म–कर्म, जीवन–मरण चर्चा होती है जहाँ।
खुशियों की बारात भी नित–नित आती है वहाँ।।

मन के भीतर गाँव गाँव में बस्ती रहती।
हरियाली की बात सदा वह सबसे करती।
अहंकार से दूर मोह को तजकर अपने।
बोती सुख का बीज दिखाती नूतन सपने।
माटी के संसार के देख निराले खेल को।
जिसमें बसती जिन्दगी, परिभाषित कर मेल को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दुकान का ताला खोल 150 साड़ियां व नगदी चोरी, जांच में जुटी पुलिस

मथुरा (बलदेव)। थाना बलदेव क्षेत्र के ग्राम पंचायत पटलौनी में चोरों ने एक दुकान को निशाना बनाते हुए ताला खोलकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना में करीब 150 साड़ियों के बंडल और लगभग 3 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए।

पीड़ित दुकानदार सतीश ने बताया कि गुरुवार सुबह एक युवक ने दुकान का आधा शटर खुला होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचकर देखा तो शटर का ताला खुला हुआ था और दुकान से साड़ियों के बंडल व नगदी गायब थी। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई, जिसके बाद थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई गई है। पुलिस ने मामला संज्ञान में लेकर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है और चोरी की घटना के खुलासे के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्मार्ट मीटर के विरोध में बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में स्मार्ट मीटर का विरोध बढ़ता जा रहा है। गुरुवार दोपहर इंदिरानगर के लोगों का आक्रोश सेक्टर–14 के पावर हाउस में फूट पड़ा। लोगों ने वहां पहुंचकर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। करीब एक घंटे तक पावर हाउस में प्रदर्शन किया तो अधिकारियों ने कहा कि चलिए समस्या देखते हैं। इसके बाद वे पैदल ही प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ उनके गांव तक 1 किमी पैदल गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे बिल जमा करते हैं तो कुछ ही देर में उनका बिल माइनस में हो जाता है। जब तक नए वाले मीटर बदले नहीं जाएंगे तब तक बात नहीं होगी। बिजली विभाग के एसडीओ का कहना है कि यहां पर 2 हजार रुपए तक का अधिकतम बिल लोगों का आ रहा है। इस दौरान लोग सिर्फ बिजली मीटर बदलने की मांग पर डटे हुए हैं।

गायत्री शक्ति पीठ में उपनायन संस्कार,वैदिक रीति से संपन्न

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के गोमतीनगर स्थित गायत्री शक्ति पीठ में उपनायन संस्कार का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मंत्रोच्चार और वैदिक परंपराओं के बीच यह संस्कार संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि–विधान से हुआ। आचार्यों ने वैदिक रीति से उपनायन संस्कार संपन्न कराया। इस अनुष्ठान में बच्चों और उनके परिजनों ने भाग लिया। आचार्यों ने संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण बताया, जो व्यक्ति को संस्कारवान और अनुशासित बनाता है।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-विo/कoविo/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/628 दिनांक: 13.04.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कoविo/उoमoरेo/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा संo: 230-कoविo-कार्य ठेका-1017-2026

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल की ब्रांच लाइनों में स्थित 10 मध्यवर्ती नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग (LC) गेटों के इंटरलॉकिंग के संबंध में 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत: रु0 3,56,84,062.18 | बिड सुरक्षा राशि: रु0. 7,13,700.00
कार्य अवधि: 12 महीना | बोली प्रणाली: एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 05.05.2026, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 05.05.2026, 15:00 बजे

नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 813/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नo: पीआरवाईओ-सिग-005-2026-27 दिनांक: 15.04.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ सम0 उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र.सं.	निविदा नं.	कार्य का विवरण	
1	005	प्रयागराज-कानपुर के संदर्भ में सिगनलिंग कार्य: प्रयागराज मण्डल के रेलवे किoमीo 826/25-27 पर स्थित मौजूदा आर.ओ.बी. संख्या 38- डी के प्रतिस्थापन से सम्बन्धित कार्य।	
	अनुमानित मूल्य: 2043335.24		धरोहर राशि: 40900/-
	निविदा प्रपत्र का मूल्य: 0.00		कार्य समापन की अवधि: बारह माह
	निविदा खुलने की तिथि: 12.05.2026		
2	निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।	
3	धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टाम्प शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टाम्प अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेगी।		
4	निविदा खुलने का समय, तथा स्थान	निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।	
5	निविदा की वैधता	निविदा खुलने के 60 दिन तक।	
6	निविदा हैंडिलिंग हेतु रेलवे के अधिकार	रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।	

821/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय........

उम्मीदों का गलियारा

निस्संदेह, दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। हाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे– जो बांदीपुर,नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दर्शाते हैं कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास–मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली–देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है। हालांकि, इस राजमार्ग को लेकर कुछ चिंताएं अभी बाकी हैं। राजमार्ग को पूरा करने के दौरान अंतिम समय में निर्माण कार्यों में किए गए सुधार और इसमें पहले हुई कुछ देरी की रिपोर्टों से कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व समय सीमा के दबाव को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, किसी संरचना के बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन उद्घाटन की समय सीमा से नहीं बल्कि उसकी मजबूती, सुरक्षा उपायों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों के आधार पर ही होना चाहिए। अंततरु यह एक्सप्रेसवे आशा और सावधानी दोनों का ही पर्याय है। निर्विवाद रूप से यह भारत की तेज और स्मार्ट निर्माण की महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। इसके साथ ही उच्च मानकों की कसौटी पर खरा उतरने और जवाबदेही की जरूरत को भी रेखांकित करता है। निर्विवाद रूप से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की वास्तविक सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि यह पारिस्थितिक और संरचनात्मक गुणवत्ता से समझौता किए बिना दक्षता को बनाये रखे। इसके अलावा पर्वतीय राज्य उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता और पर्यटन के दबाव से भूगर्भीय संवेदनशीलता की भी रक्षा हो। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से भूस्खलन व पर्यटकों का दबाव झेल रहे हिमालयी राज्यों में पर्यटन प्रकृति व स्थानीय संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। आने वाले दिनों में दिल्ली–देहरादून राजमार्ग उत्तराखंड की चारधाम यात्रा को भी गति देगा, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से विस्तार होना निश्चित है। वहीं चीन से मिलने वाली किसी चुनौती से निपटने में सेना की गतिशीलता, रसद व सैन्य आपूर्ति में भी यह राजमार्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है।

मजदूरों के गुस्से का पाक और नक्सली लिंक

मई दिवस या अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस आने में अभी एक पखवाड़े का वक्त बचा है, लेकिन जिन वजहों से 140 साल पहले मजदूरों ने अपनी आवाज बुलंद की थी, वो वजहें अब कई गुना सघनता के साथ समाज में मौजूद हैं। इसकी झलक सोमवार और मंगलवार को उत्तरप्रदेश के औद्योगिक नगर नोएडा में दिखाई दी। वही नोएडा जहां कुछ दिनों पहले जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और कहा कि अब युवाओं के विकास की उड़ान को पंख मिलेंगे। दिल्ली से सटे नोएडा में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर और कारखाने हैं। आलीशान रिहायशी इलाके हैं, जहां करोड़ों के फ्लैटों और कोठियों में समाज का उच्च तबका रहता है। लेकिन इस चमचमाती दुनिया के पीछे वही मलिन बस्तियां हैं, जिन्हें छिपाने के लिए अक्सर सफेद पर्दे डाल दिए जाते हैं। याद कीजिए अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप से लेकर दिल्ली में जी–20 की बैठक तक जब भी अंतरराष्ट्रीय मेहमान भारत आए, ऐसे ही गरीबी को छिपाया जाता रहा। लेकिन सोमवार 13 अप्रैल को नोएडा के फेज टू में एक निजी कंपनी के श्रमिकों ने काम के घंटे और मेहनताने को लेकर जो प्रदर्शन किया, वह छिपाया नहीं जा सका। चूंकि कई बड़े चौनलों के दफ्तर नोएडा में ही हैं, तो यहां मजदूरों के भड़के असंतोष और उसे दबाने के लिए की गई प्रशासनिक सख्ती को पूरा कवरेज मिला। हालांकि नोएडा से पहले कई और शहरों में मजदूरों की नाराजगी सामने आई है। इस साल फरवरी में बिहार के बरौनी में मजदूर न्यूनतम वेतन बढ़ाने और काम के घंटे तय करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे। इसके बाद सूरत, मानेसर, पानीपत और फिर नोएडा तक यह सिलसिला फैल गया। इन सभी जगहों पर मांगें लगभग एक जैसी थीं– न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, ओवरटाइम का सही भुगतान, बकाया राशि का निपटारा और स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं। मजदूर संगठनों का कहना है कि नवंबर 2025 में लागू हुए नयी श्रमिक संहिता के बाद मजदूरों को उम्मीद थी कि उनकी स्थिति बेहतर होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नोएडा का विरोध प्रदर्शन इस तौर पर इसलिए व्यापक हो गया क्योंकि वहां बड़ी संख्या में ठेका मजदूर काम करते हैं। ये मजदूर ठेकेदारों के जरिए रखे गए हैं और उन्हें न तो स्थायी नौकरी की सुरक्षा है और न ही पीएफ या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलती है। 8 अप्रैल से ही मजदूरों का विरोध प्रदर्शन शुरु हो गया था जो धीरे–धीरे तेज हुआ और सोमवार को यह हिंसक हो गया। ट्रेड यूनियन नेताओं का आरोप है कि पिछले पांच दिनों से उन्हें नजरबंद रखा गया था, जिससे हालात और बिगड़ गए। उनका कहना था कि जब मजदूरों से बातचीत ही नहीं होगी, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर होनी ही थी।

मजदूर वर्ग की ऐसी नाराजगी किसी भी सत्ता के लिए चेतावनी होती है कि उसकी नीतियों से जनता संतुष्ट नहीं है, लिहाजा उसे आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। लेकिन मौजूदा भाजपा के शासनकाल में सत्ता से नाराजगी सीधे देश से विद्रोह मान लिया जाता है। जब किसान आंदोलन हुआ था तो उसे खालिस्तानी आतंकवाद से जोड़ा गया था। शाहीन बाग के आंदोलन में अंतरराष्ट्रीय साजिश देखी गई। और अब नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन में पाकिस्तान और नक्सलवाद का कोण सरकार ने ढूंढ निकाला है। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने मजदूरों की वाजिब मांग को श्बड़ी साजिशश का हिस्सा बताया और कहा कि इसमें श्पाकिस्तान लिंकश की भी जांच की जा रही है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बयान दिया

आंबेडकर के लिए राष्ट्र का भाग्य सर्वोपरि था

नीतीश कुमार सिंह

संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के पुरोधा डॉ. भीमराव आंबेडकर की अभिव्यक्ति राष्ट्रवादी आंदोलन से लेकर आजीवन एक प्रखर दलित लड़ाके के तौर पर बेधड़क रही, परंतु भारत और भारतीयता को सर्वोपरि मानकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सद्भाव को अपने मन, वाणी और कर्म में उन्होंने संजोए रखा। मध्यप्रदेश के महू में 14 अप्रैल, 1891 को जन्मे आंबेडकर के जीवन को समझना बहुत कठिन है इसलिए आज की सामाजिक–राजनीतिक परिस्थितियों के बीच आंबेडकर को लेकर अर्द्ध सत्य की धारणा ने जोर पकड़ा है, जिसमें सामाजिक, धार्मिक वैमनस्यता और देश के भाग्य–विधाताओं को खांचों में बांटकर सिर्फ वोट की राजनीति का कुत्सित क्रियाकलाप चलना भर रह गया है।

उनके भाषणों से ही नीर–क्षीर किया जा सकता है। 17 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा में लक्ष्य संबंधी प्रस्ताव पर 10 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा, श्हमें राष्ट्र के भाग्य का फैसला करने का प्रश्न हो, वहां नेताओं, दलों और संप्रदायों की शान का कोई मूल्य नहीं होना चाहिए। वहां तो राष्ट्र के भाग्य को ही सर्वोपरि रखना चाहिए।श आंबेडकर को मानने वालों के लिए यह बहुत बड़ी सीख है। आंबेडकर को संविधान निर्माता के तौर पर पहचान मिली है, लेकिन वह प्लानर और अर्थशास्त्री भी थे। बहुमुखी प्रतिभा वालों के साथ अन्याय होता है। जिन परिस्थितियों में आंबेडकर ने काम किया और अपने अनुयायियों का पथ प्रदर्शन दिया, उस दिशा में उनका राष्ट्रवादी अभिमत अभिव्यक्त होता रहा। उनकी खास बात यह भी थी कि मत परिवर्तन किया तो भारतीय जड़ों से आबद्ध बौद्ध धर्म में किया, किसी बाहरी धर्म या संप्रदाय में नहीं। सामर्थ्यपूर्ण पद्धति से चलने वाले धर्म में किया। यह उनके मूल चरित्र को अभिव्यक्त करता है। यह उनकी एक और विशेषता समझ में आती है। संविधान–सभा में आंबेडकर कहते हैं– श्मैं जानता हूं कि आज हम राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सभी दृष्टियों से विभक्त है। आज हमारा देश कई लड़ाकू दलों में बंट गया है, और मैं तो यहां तक मंजूर करूंगा कि ऐसे ही एक लड़ाकू दल के नेताओं में शायद मैं भी एक हूं, परंतु सभापति महोदय इन सब बातों के बावजूद मुझे इस बात का पक्का विश्वास है कि समय और परिस्थितियां अनुकूल होने पर दुनिया की कोई भी ताकत इस मुल्क को एक होने से रोक नहीं सकती। जाति और धर्म की भिन्नता के बावजूद भी हम किसी न किसी रूप में एक होंगे।

सीमा वर्णिका की कलम से 'असलियत'

जब से डी. एन. ए. की रिपोर्ट आयी थी। चिल्ला चीखी मची हुई थी, सरिता के आँसू विवेक को गुनहगार सिद्ध करने पर तुले थे। असल में हुआ यह, घर के सामने गर्ल्स पी.जी. में रहने वाली रिया की शक्ल व हाव–भाव सब हुबहू विवेक जैसे थे।

एक बार देवी पूजन में विवेक की पत्नी सरिता ने पी.जी. की लड़कियों को भी बुला लिया था तभी पहली बार रिया भी आयी थी तबसे उसका अक्सर आना जाना लगा रहता था। उसे देख लोग धोखा खा जाते सबको लगता विवेक की बेटी है।

विवेक और रिया के बीच एक अलग ही अपनत्व दिखता। यह सब देखकर सरिता शंकित रहने लगी थी उसके ज़ेहन में कहानियाँ जन्म लेने लगीं थीं। शक दिनोंदिन बढ़ता जा रहा था।

एक दिन सरिता ने विवेक से जब डी. एन. ए. टेस्ट कराने को बोला तो मजाक समझकर हँस कर टाल गया। लेकिन सरिता के मन की शंकाएँ थमने का नाम नहीं ले रहीं थीं। रोज़ रोज़ की कलह से बचने के लिए उसने टेस्ट करा लिया।

रिपोर्ट देख कर वह भी आश्चर्य चकित था वह रिया को पहले से जानता तक नहीं था उसको रिया से मिलना तो दूर देखा तक नहीं था। फिर रिपोर्ट कैसे पॉजिटिव आ सकती है तूफान मचा हुआ था घर में भी मन में भी।

सरिता किसी भी बात पर भरोसा करने को तैयार नहीं थी। विवेक ने उसे किसी तरह मनाया कि वह सच सामने लाएगा। उसने रिया को बुलाया और उससे उसके घर का पता लिया। सरिता के साथ वह अगली ट्रेन से निकल लिया। वह स्वयं सोच सोच कर पागल हुआ जा रहा था कि ऐसा कैसे सम्भव हो सकता है।

रिया की माँ को देख उसका आश्चर्य और बढ़ गया इस महिला को उसने अपने जीवन में पहले कभी देखा तक नहीं था। रिया की माँ को भी अजीब सा लग रहा था कि ऐसे कोई अजनबी दम्पति उनसे मिलने क्यों आएँ हैं।

कुछ औपचारिकताओं के बाद विवेक ने रिया के पिता के बारे में पूछा तो उसकी माँ ने दूसरे कमरे में लेटे अपने बीमार पति की ओर इशारा कर दिया। सरिता से रहा नहीं जा रहा था उसे अभी भी लग रहा था कि दोनों अंजान होने का नाटक कर रहे हैं और सच्चाई छिपा रहे हैं।

सरिता ने तल्खी से कहा यह झूठ है वह रिया के पिता नहीं हो सकते हैं।

रिया की माँ चौंकते हुए बोली,ष् क्यों..ऐसा आप कैसे कह सकतीं हैं

सरिता बोली,ष्क्योंकि मेरे पति विवेक उसके पिता हैंष्।

रिया की माँ सकते में आ गयी उसने विवेक को गौर से देखा। चिल्ला पड़ी आप कैसी बेहूदी बात कर रहीं हैं हमने इनको पहले कभी देखा तक नहीं। वातावरण तनावग्रस्त हो गया।

वह सोच में पड़ गई उसे 18 साल पुरानी बातें याद आने लगीं। वह अचानक बोली, ष्क्या आप लोगों ने पुर्नर्नवा इन्फर्टिलिटी सेंटर से या डॉ. अर्चना मेहता से कभी इलाज कराया है। इस पर सरिता चौंकते हुए बोली, ष्हाँ, लगभग अठ्ठारह साल पहले मेरी बेटी साक्षी उन्हीं के हाथ की है मुझे कुछ दिक्कत थी तो उन्हीं की देखभाल में आई वी एफ से बेटी हुई थी। यह सब पुरानी बातें आप क्यों पूछ रहीं हैं। रिया की माँ के होंठों पर मुस्कान आ गयी। रिया की माँ धीमी आवाज में बोली, ष्यह बीमार व मंद बुद्धि पति से संतान नहीं चाहती थी इसलिए उसके बहुत कहने पर डॉक्टर ने किसी अंजान स्वस्थ व्यक्ति के शुक्राणुओं की सहायता से आर्टिफिशियल फर्टिलाइजेशन के द्वारा उसे रिया की माँ बनने का सौभाग्य दिया था।

ओहह तो वह आप ही थे। आप लोगों से मेरी विनती है कि यह बात कभी किसी को पता नहीं चलनी चाहिए रिया को भी नहीं ..वह अपने पिता से बहुत प्यार करती है। विवेक बहुत हल्का महसूस कर रहा था। काले बादल छँट गए थे।

सीमा वर्णिका, कानपुर

2029 को लेकर अभी से डरे हुए हैं मोदी

अनिल जैन

लोकसभा चुनाव–2024 के नतीजों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी का आत्मविश्वास बुरी तरह हिला रखा है। यद्यपि चुनाव आयोग बिल्कुल उनके मनमाफिक काम कर रहा है

और ऐसा करते हुए वह निष्पक्ष रहना तो दूर, निष्पक्ष होने का दिखावा तक नहीं कर रहा है। उसकी तमाम असंवैधानिक और अनैतिक कारगुजारियों को न्यायपालिका का भी पूरा–पूरा संरक्षण मिला हुआ है। कॉरपोरेट नियंत्रित मीडिया भी पूरी तरह से सरकार और भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा बना हुआ है। इसी सबके चलते भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीतें हासिल की हैं। इसके बावजूद 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर मोदी बेहद डरे हुए हैं। उनका यह डर लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण 2029 से ही लागू कराने और 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कराने को लेकर उनकी हड़बड़ी में साफ देखा जा सकता है। दरअसल तमाम मोर्चों पर अपनी सरकार की नाकामियों के बावजूद 2019 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए कई विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत ने मोदी में इतना आत्मविश्वास भर दिया था कि उन्होंने 2024 के चुनाव में श्अबकी बार 400 पारश का नारा दे दिया था। वे मानकर चल रहे थे उन्हें 400 सीटों का बहुमत मिल ही जाएगा। उनके इसी आत्मविश्वास के बूते वे खुद तो नहीं लेकिन उनकी पार्टी के दूसरे कई वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री खुलेआम संविधान बदलने और भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बातें करने लगे थे, जिसे मोदी भी नकार नहीं रहे थे। मगर उनकी तमाम तिकड़मों और चुनाव आयोग द्वारा की गई गड़बड़ियों के बावजूद चुनावी परिणाम उनकी उम्मीदों के विपरीत आए। लोकसभा चुनाव 2014 में मिली 282 और 2019 में मिली 303 सीटों के मुकाबले 2024 में भाजपा जैसे–तैसे 240 सीटें ही जीतने में कामयाब रही। यानी बहुमत से बहुत दूर। मोदी खुद वाराणसी में जैसे–तैसे जीत पाए। करीब दो दर्जन पार्टियों के बने उनके गठबंधन (एनडीए) को भी कुल मिलाकर 292 सीटें ही हासिल हो सकीं, जो कि स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से महज 20 सीटें अधिक रहीं। कुल मिला कर जैसे–तैसे सरकार चलाने लायक बहुमत मिला। ऐसे में संविधान बदलने या उसमें कोई भी मनमाना संशोधन करने का उनका मंसूबा धरा रह गया। बस, यही स्थिति मोदी के लिए भविष्य में होने वाले चुनावों और खास कर 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर चिंता का सबब बन गई। यही नहीं, उन्हें विभाजनकारी और धार्मिक नारों की सीमाएं भी समझ में आ गईं कि अब इनका और ज्यादा दोहन नहीं किया जा सकता। कई छोटे–छोटे दलों के समर्थन रूपी बैसाखियों के सहारे तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी ने भविष्य में होने वाले चुनावों को जीतने की योजना पर काम करना शुरू किया। इस योजना के तहत चुनाव से ठीक पहले कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर मतदाताओं के खाते में सरकारी खजाने से नकद राशि ट्रांसफर करने की योजनाएं घोषित हुईं और जिनकी किस्तें चुनाव के दौरान जारी हुईं। ऐसा करना आदर्श चुनाव आचार संहिता के सरासर खिलाफ था, लेकिन चुनाव आयोग मूकदर्शक बना रहा। इस योजना को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई लेकिन न्यायपालिका ने भी इस अनैतिक हथकंडे पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। इसके अलावा महाराष्ट्र और हरियाणा में मतदान और मतगणना में भी चुनाव आयोग ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों को अंजाम देकर भाजपा की जीत का रास्ता साफ किया था। महाराष्ट्र और हरियाणा का चुनाव जीतने के बाद मतदाताओं के खाते में नकद राशि ट्रांसफर करने की योजना बिहार में भी लागू की गई। इसके अलावा चुनाव आयोग के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के नाम पर जीत सुनिश्चित करने वाली एक नई योजना भी शुरु की गई, जिसकी शुरुआत दिल्ली से हुई और बाद में बिहार में भी लागू की गई। दोनों राज्यों में चुनाव आयोग ने एसआईआर के बहाने मनमाने तरीके से लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाए, जिससे दोनों राज्यों में भाजपा और उसके गठबंधन को आसानी से जीत हासिल हो गई। बिहार और दिल्ली में कामयाबी के बाद एसआईआर के हथियार को अभी हो रहे चुनाव वाले राज्यों– तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और पुड्डुचेरी सहित नौ राज्यों में भी आजमाया गया और हर राज्य में चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से लाखों लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए हैं। अलबत्ता असम को इस योजना से मुक्त रखा गया। जाने–माने अर्थशास्त्री डॉ. पराकला प्रभाकर ने, जो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति हैं, क्षेत्र विशेष और वर्ग विशेष के मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाने की चुनाव आयोग की रातों–रात नाम मिटाओ, नाम चढ़ाओ और चुनाव जिताओ परियोजना को दुनिया का सबसे बड़ा रक्तहीन राजनीतिक जनसंहार करार दिया है। बहरहाल, प्रधानमंत्री को इतने से भी संतोष नहीं है। वे 2029 के चुनाव को लेकर कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। इसलिए वे 2029 के बाद लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन कानून और लोकसभा व विधानसभा की सीटों के परिसीमन को भी 2029 के चुनाव से ही लागू करने की हड़बड़ी दिखा रहे हैं। हालांकि यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि दोनों मामले संविधान संशोधन से जुड़े हुए हैं और संविधान संशोधन के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है। पहले ऐसा लग रहा था कि महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर विपक्षी दल दुविधा में है और उनके लिए इसका विरोध करना आसान नहीं होगा। लेकिन अब धीरे–धीरे विपक्ष दलों ने अपना रुख स्पष्ट करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी यानी लोकसभा की क्रमशरु दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी पार्टियों ने अपना स्टैंड स्पष्ट कर दिया है। असल में विपक्ष के सामने दुविधा इस बात को लेकर थी कि अगर केंद्र सरकार की ओर से लाए जा रहे संविधान संशोधन विधेयक का विरोध किया जाता है तो विपक्षी पार्टियों को महिला आरक्षण का विरोधी बताया जाएगा। यह खतरा अब भी है लेकिन विपक्ष की ओर से अब यह बताने का प्रयास किया जा रहा है कि सभी पार्टियां महिला आरक्षण के तो पक्ष में हैं लेकिन परिसीमन का समर्थन नहीं कर रही हैं।

रचना सक्सेना की ग़ज़ल

फ़क़त अब तो अज़ाबों से मुहब्बत हो गई हमको
कहें यूँ ही गुलाबों से मुहब्बत हो गई हमको

भटकते वक़्त पर हरदम दिया है साथ जीवन में
तभी तो इन किताबों से मुहब्बत हो गई हमको

कहीं आँखों में अपने धूल कोई झोंक ना पाये
ढके चेहरे नक़ाबों से मुहब्बत हो गई हमको

बने पल में मिटे पल में कहे हर चीज़ नश्वर है
तभी तो अब हबाबों से मुहब्बत हो गई हमको

सुरो के ताल में डूबा वो कब ग़मगीन रह पाया
तभी 'रचना' रबाबों से मुहब्बत हो गई हमको

रचना सक्सेना
अलोपीबाग, प्रयागराज

क्या शरवरी निभाएंगी मधुबाला की बायोपिक में लीड रोल ? सारा और साई पल्लवी के बीच लिस्ट में आया एक्ट्रेस का नाम

दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला के जीवन पर बनने वाली फिल्म में उनकी भूमिका निभाने के लिए अभिनेत्री की तलाश जारी है। इस प्रोजेक्ट से कई बड़े नाम पहले ही जुड़ चुके हैं। वहीं, अब मधुबाला की बायोपिक में मुख्य भूमिका के लिए अभिनेत्री शरवरी के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। मधुबाला की बोयपिक में अभिनेत्री शरवरी की कास्टिंग की चर्चाएं तेज हैं। न्यूज 18 शोशा कि रिपोर्ट के मुताबिक, शरवरी को फिल्म में लिए जाने की चर्चाएं सच हैं। कहा जा रहा है कि इस रोल के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है, उनमें शरवरी अब टॉप चॉइस में से एक हैं। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अभी यह भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि औपचारिक बातचीत चल रही है या शरवरी को इस प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया गया है। मधुबाला की बायोपिक बॉलीवुड के सबसे ज्यादा चर्चित आगामी प्रोजेक्ट्स में से एक है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा अर्जुन, कल्याणी प्रियदर्शन, साई पल्लवी और अनीत पड्डा जैसी एक्ट्रेस को मधुबाला की भूमिका अदा करने के लिए अप्रोज किया गया था। रिपोर्ट्स में बताया गया कि इस रोल के लिए अनीत पड्डा एक मजबूत दावेदार हैं। हालांकि, अब रेस में सबसे आगे शरवरी का नाम चल रहा है। इस बायोपिक का निर्देशन जसमीत के. रीन कर रही हैं। उन्हें नेटफ्लिक्स की चर्चित फिल्म श्डार्लिंग्सश के निर्देशन के लिए भी जाना जाता है। उम्मीद है कि फिल्म के मेकर्स जल्द ही कास्ट के बारे में और अधिक डिटेल्स शेयर कर सकते हैं। शरवरी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगाश में नजर आएंगी। यह फिल्म 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वह आदित्य चोपड़ा के सपोर्ट वाली पहली महिला जासूसी फिल्म अल्फा में भी आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा शरवरी की झोली में मुंज्या 2 भी है।

> रिपोर्ट्स में बताया गया कि इस रोल के लिए अनीत पड्डा एक मजबूत दावेदार हैं। हालांकि, अब रेस में सबसे आगे शरवरी का नाम चल रहा है। इस बायोपिक का निर्देशन जसमीत के. रीन कर रही हैं।

आत्मविश्वास से बड़ा कोई स्टाइल नहीं :अनुपम खेर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी पुरानी यादों को साझा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक प्रेरणादायक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में कम बालों की वजह से वे काफी शर्माते थे और टोपी पहनकर खुद को छुपाते थे। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर पुरानी और कुछ नई तस्वीरें पोस्ट कीं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आत्मविश्वास ही सबसे अच्छा हेयरस्टाइल है। अनुपम ने लिखा, गंजापन हमेशा खूबसूरत होता है। अभिनेता ने पुराने दिनों को याद करते हुए लिखा, एक समय था, जब मैं मुंबई आया था। आंखों में बड़े सपने थे, लेकिन सिर पर बाल बहुत कम थे। उस वक्त गंजा होना और एक्टर बनने का सपना देखना कोई फैशन नहीं माना जाता था। इसलिए मैं अक्सर टोपी पहनकर खुद को छुपाता था। यह स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि अपनी झिझक की वजह से करता था। अभिनेता ने बताया कि कुछ साल बाद उन्हें एक अहम बात समझ में आई। उन्होंने लिखा, मुझे एहसास हुआ कि आत्मविश्वास ही सबसे बड़ी पुंजी है। इसलिए मैंने वो टोपी सिर्फ सिर से नहीं, बल्कि अपने मन से भी उतार दी। अभिनेता ने गर्व करते हुए लिखा, अब गंजापन बोल्ड, खूबसूरत और फैशन बन गया है। लोग वही लुक अपनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे मैं पहले छुपाता था। जिंदगी का अपना ही मजेदार अंदाज होता है। जय हो। अनुपम खेर ने अपने करियर में हमेशा अलग–अलग भूमिकाओं से सबको प्रभावित किया है। उन्होंने शुरुआती संघर्ष के बावजूद उन्होंने कभी अपना लुक बदलने की कोशिश नहीं की। अभिनेता इन दिनों 2006 की फिल्म खोसला का घोसला के दूसरे भाग में अपने प्यारे किरदार कमल किशोर खोसला की भूमिका निभाते नजर आएंगे। दिबाकर बनर्जी द्वारा निर्देशित इस सीक्वल में बोमन ईरानी, घ्परवीन डबास, रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और तारा शर्मा के साथ–साथ रवि किशन जैसे कुछ नए चेहरे भी नजर आएंगे। इसके अलावा, खेर ने एक और रोमांचक प्रोजेक्ट के लिए मशहूर निर्देशक सूरज बड़जात्या के साथ भी हाथ मिलाया है।

बहुत उम्दा बेबी टाइम मैगजीन के 100 प्रभावशाली लोगों में रणबीर कपूर के शामिल होने पर आलिया भट्ट ने जताई खुशी

बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रणबीर कपूर अपनी आगामी फिल्म रामायण की तैयारियों में जुटे हैं। इसका पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होगा। एक्टर फिल्म में भगवान राम की भूमिका अदा करते दिखेंगे। इस बीच अभिनेता एक और वजह से भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, टाइम मैग्जीन ने 2026 के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की सूची जारी की है। इस सूची में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर का भी नाम शामिल है। इस पर आलिया भट्ट ने रिएक्शन दिया है। बीते दिन जारी टाइम मैगजीन के 100 सर्वाधिक प्रतिष्ठित शख्सियतों की इस लिस्ट में वित्त, मनोरंजन, टेक्नोलॉजी, खेल, सामाजिक कार्य और शिक्षा जगत सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई जानी–मानी हस्तियां शामिल हैं। रणबीर कपूर को भी इस लिस्ट में नाम मिला है और वे टाइम की दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल एकमात्र भारतीय अभिनेता हैं।

रणबीर की इस उपलब्धि पर आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर रणबीर की इस उपलब्धि पर तारीफ की है। उन्होंने एक्टर की फोटो के साथ लिखा है, बहुत शानदार बेबी। उन्होंने उस फीचर का लिंक भी साझा किया है, जो रणबीर कपूर के लिए लिखा गया है। यह लेख अभिनेता आयुष्मान खुराना ने लिखा है। इसमें आयुष्मान ने रणबीर कपूर की तारीफ में लिखा है, 'कुछ अभिनेता विरासत बनाने के लिए संघर्ष करते हैं और कुछ अपनी कला से ही विरासत बन जाते हैं। रणबीर कपूर इसी श्रेणी में आते हैं। भारतीय सिनेमा जैसी इंडस्ट्री में हम अक्सर महानता को शोर–शराबे से मापते हैं, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन, फैंस की दीवानगी, ओपनिंग वीकेंड। लेकिन कभी–कभी कोई अभिनेता कुछ ऐसा कर दिखाता है, जो शांत होते हुए भी कहीं अधिक स्थायी होता है। दर्शकों के रूप में हमारी इमोशनल शब्दावली। रणबीर यही काम अपनी फिल्मों के साथ करते आ रहे हैं।' बता दें कि इस सूची में भारतीय शेफ विकास खन्ना का नाम भी शामिल किया गया है।

क्या सितारों के बॉडीगार्ड्स को मिलती है लाखों में सैलरी? शाहरुख खान के एक्स बॉडीगार्ड ने खोला राज

शाहरुख खान के साथ काम कर चुके एक पूर्व सिक्योरिटी स्टाफ मेंबर ने हाल ही में खुलासा किया है कि सेलिब्रिटी बॉडीगार्ड्स की सैलरी को लेकर जो बड़ी–बड़ी बातें कही जाती हैं, वो पूरी तरह सही नहीं हैं। उनका ये बयान अब तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि बॉडीगार्ड्स को सालाना 2–2.5 करोड़ रुपये मिलने वाली खबरें गलत हैं। तो असल में बॉडीगार्ड्स को कितनी सैलरी मिलती है? आइए जानते हैं। हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में यासीन खान ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा, 'ऐसा नहीं होता।' उन्होंने बताया कि ज्यादातर बॉडीगार्ड्स को हर महीने फिक्स सैलरी मिलती है। कुछ मामलों में फिल्म शूट के दौरान उन्हें थोड़ा एक्स्ट्रा पैसा मिल सकता है, लेकिन ऐसा हर किसी के साथ नहीं होता। यासीन के मुताबिक, असल सैलरी उतनी ज्यादा नहीं होती जितनी सोशल मीडिया या खबरों में बताई जाती है। उन्होंने कहा कि अनुभवी सिक्योरिटी स्टाफ भी आमतौर पर करीब 1 लाख रुपये महीने कमाते हैं, जो उनके काम और अनुभव पर निर्भर करता है। शेरा और रवि सिंह जैसे जाने–माने नामों का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया, 'कौन देता है 10 लाख रुपये महीना?' यासीन ने आगे बताया कि बॉडीगार्ड्स आमतौर पर कॉन्ट्रैक्ट पर काम करते हैं और उन्हें हर महीने तय सैलरी मिलती है। उन्होंने ये भी कहा कि पहले उन्होंने फिल्म शूट के दौरान सही कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम लागू करवाने की कोशिश की थी, जो बाद में इंडस्ट्री में धीरे–धीरे आम हो गया। यासीन ने ये भी कहा कि बॉडीगार्ड्स का काम बहुत अहम होता है, लेकिन उन्हें अक्सर ज्यादा ध्यान नहीं मिलता। उनका काम तब ही चर्चा में आता है जब कुछ गड़बड़ हो जाती है।

'फैमिली नहीं चाहिए तो मैरिज की जरूरत नहीं', शादी की बात पर क्या बोल गए अविनाश तिवारी? कहा– 'मेरा समय निकल गया'

जल्द ही अविनाश तिवारी और मेधा शंकर फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में नजर आएंगे। दोनों फिलहाल इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अविनाश तिवारी ने शादी को लेकर अपने विचार शेयर किए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि शादी जरूरी नहीं है, जब तक कि आप परिवार शुरू करना नहीं चाहते। आइएएनएस से बातचीत के दौरान अविनाश ने बदलते समाज पर बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि आज के समय में, जैसे–जैसे हमारी सोसाइटी बदल रही है, आज के समय में शादी तभी जरूरी है जब आप एक परिवार शुरू करना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर आप जरूरी तौर पर परिवार नहीं बनाना चाहते, तो शादी उतनी जरूरी नहीं है। आप लाइफ पार्टनर के साथ रह सकते हैं, इसके लिए शादी का टैग होना जरूरी नहीं है। अगर आप परिवार बनाना चाहते हैं, तो उम्र हमेशा एक अहम फैक्टर होती है। इसलिए लोग कहते हैं कि सही समय पर शादी करनी चाहिए, जब आपका शरीर सबसे बेहतर स्थिति में होता है। लेकिन अगर आप परिवार नहीं बनाना चाहते, तो शादी करना जरूरी नहीं है, बात इतनी सी है।' अविनाश तिवारी ने यह भी बताया कि बदलते समय और मेडिकल साइंस में हो रही तरक्की के साथ शादी और उम्र को लेकर लोगों की सोच धीरे–धीरे बदल रही है। उन्होंने कहा, 'अब उम्र का दायरा बढ़ गया है और हमारे देश में भी शादी करने वाले लोगों का प्रतिशत कम हुआ है। यही एक वजह है कि गिन्नी वेड्स सनी 2 जैसी फिल्मों के जरिए इन मुद्दों को दिखाया जा रहा है, ताकि समझा जा सके कि आजकल लोग शादी क्यों नहीं करना चाहते।' अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करते हुए अविनाश ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'जहां तक मेरी बात है, मुझे लगता है कि मेरे आसपास के लोग सोचते हैं कि मेरा समय निकल चुका है, यानी मैं लेट हो गया हूं।' वर्क फ्रंट की बात करें तो अविनाश तिवारी जल्द ही गिन्नी वेड्स सनी 2 में नजर आएंगे, जिसमें वह मेधा शंकर के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे।

मां लक्ष्मी का होगा घर में आगमन, रोज सुबह उठते ही मुख्य द्वार पर करें ये 4 काम

वास्तु शास्त्र में ऐसी कई चीजें बताई गई हैं जिनका घर में इस्तेमाल करने से नेगेटिविटी दूर होती है। माना जाता है जहां पर नेगेटिविटी हो वहां पर कभी भी मां लक्ष्मी का वास नहीं होता न ही सुख-समृद्धि आती है। घर की नेगेटिविटी दूर करने के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं जिनका आप पालन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर घर के मुख्य द्वार पर कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं जिनसे घर में नेगेटिविटी नहीं आती। तो चलिए आपको बताते हैं मुख्य द्वार से जुड़े कुछ वास्तु उपाय...

घर के द्वार पर मारे पानी के छिंटे

रोज नहाने के बाद घर के मंदिर में पूजा करें, फिर एक बर्तन में पानी लेकर थोड़ी सी इसमें हल्दी डालें। इस हल्दी वाले पानी के मुख्य द्वार पर छींटे मारें। इसके अलावा द्वार पर दोनों ओर थोड़ा-थोड़ा पानी डाल दें। इससे नेगेटिविटी दूर होगी और मां लक्ष्मी का घर में आगमन होगा।

स्वास्तिक का लगाएं चिन्ह

घर से निकलने से पहले मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का चिन्ह जरुर बनाएं। मान्यताओं के अनुसार, स्वास्तिक की रोज पूजा करें इससे घर की बुरी नजर भी दूर होती है।

साफ रखें मुख्य द्वार

घर के मुख्य द्वार को हमेशा साफ रखें क्योंकि इसके जरिए ही घर में नेगेटिव एनर्जी आती है। घर की महिलाएं यदि रोज जागने के बाद मुख्य द्वार साफ करें तो इससे नेगेटिविटी दूर होती है।

शाम को जलाएं दीपक

शाम के समय बहुत से लोग घर में दीपक जलाते हैं। वहीं वास्तु मान्यताओं की मानें तो मंदिर में दीपक जलाने के अलावा एक दीपक घर के मुख्य द्वार पर भी रखें। इससे मुख्य द्वार रोशन रहता है और मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होकर घर में प्रवेश करती हैं।

नहीं है फ्रिज तो भी गर्मियों में पानी रहेगा बिल्कुल ठंडा, बस अपना लें ये 3 हैक

गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है ऐसे में इस मौसम में सभी ठंडा पानी पीना पसंद करते हैं परंतु ठंडा पानी पीने के लिए सभी फ्रिज का ही इस्तेमाल करते हैं। फ्रिज का ठंडा पानी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है कुछ लोग तो इसको पीने से बीमार भी हो जाते हैं। ऐसे में आप नैचुरल तरीके से ठंडे हुआ मटके का पानी पी सकते हैं। मटके के पानी को भी आप और ठंडा कर सकते हैं तो चलिए आपको बताते हैं कि कुछ ऐसे तरीके जिनके जरिए आप मटके के पानी को ठंडा कर सकते हैं

मटके पर लपेट दें बोरी

गर्मी शुरु होते हुए सब घर में बने मटके का पानी पीते हैं क्योंकि फ्रिज का पानी ठंडा होता है और पीने से भी स्वास्थ्य

समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में आप फ्रिज की जगह मटके से नैचुरल ठंडा किया हुआ पानी पी सकते हैं। गर्मी में मटका रखकर इस पर सूती के मोटे कपड़े से या फिर बोरी लपेट दें। इसके बाद बोरी के चारों ओर पानी डाल दें। इससे पानी ठंडा रहेगा।

कूलिंग फैन आएगा काम

गर्मियों में पानी ठंडा करने के लिए आप कूलिंग फैन का इस्तेमाल कर सकते हैं। मटके के पानी को अगर आप जल्दी ठंडा

करना चाहते हैं तो मटके पर बोरी लपेट दें इसके बाद इसे पानी डालकर गीला कर लें। इसके बाद मटके के साथ एक टेबल फैन लगाकर चला दें। फैन की हवा से पानी कुछ ही देर में ठंडा हो जाएगा।

तांबे के मटके में रहेगा पानी ठंडा

मिट्टी के मटके के अलावा आप तांबे के मटके का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे भी पानी नैचुरल तरीके से ठंडा रहेगा। तांबे के मटके में अगर आप रात में पानी डाल देंगे तो यह सुबह तक काफी ठंडा हो जाएगा। इस मटके की खासियत यह भी है कि जैसे जैसे तांबे का तापमान बढ़ता है तो उसमें मौजूद पानी भी ठंडा हो जाता है।

घर में लगाने वाले हैं बांस का पौधा तो भूलकर भी न करें ये गलतियां, नहीं तो हो जाएंगे कंगाल !

हर कोई अपने घर को अलग-अलग तरीके से सजाना पसंद करता है। कुछ लोग पेड़-पौधों से तो कुछ नए-नए डेकोरेटिव आइटम्स के साथ अपना आशियाना सजाते हैं। अगर आपको भी घर में पेड़-पौधे लगाना पसंद है तो बांस का पौधा आप घर में लगा सकते हैं। बांस का पौधा घर में लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इसे घर में लगाने से आर्थिक संकट दूर होते हैं। इसके अलावा यह पौधा सोया हुआ भाग्य चमकाने में भी मदद करता है। परंतु इस पौधे को सही दिशा में लगाना बहुत ही आवश्यक माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इसे किस दिशा में लगाना शुभ माना जाता है आज आपको इसके बारे में बताएंगे। तो चलिए जानते हैं...

पूर्व दिशा में लगाएं

मान्यताओं के अनुसार, आप घर की पूर्व दिशा में इस पौधे को लगा सकते हैं। इससे घर में सुख शांति रहती है और आर्थिक स्थिति भी सुधरती है।

इतना ऊंचा हो पौधा

बांस का पौधा 2-3 फीट की ऊंचाई तक घर में लगा हुआ शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इतनी ऊंचाई के पौध ो को घर में लगाने से वातावरण पॉजिटिव रहता है और नेगेटिव एनर्जी घर में नहीं आ पाती।

न रखें ऐसी जगह पर

पौधे को कभी भी खिड़की के पास नहीं रखना चाहिए। धूप में इस पौधे को रखने से यह खराब होने लगता है इसके अलावा पौधा सूखने से घर की आर्थिक स्थिति पर भी प्रभावित होती है।

मजबूत होंगे परिवार के साथ रिश्ते

वास्तु शास्त्र की मानें तो आप बांस का पौधा ड्राइंग रुम या बेडरुम में भी रख सकते हैं। इससे आपके परिवार वालों के साथ रिश्ते मजबूत बनेंगे और दांपत्य जीवन में भी सुख आएगा।

इस दिशा में न लगाएं

बांस का पौधा कभी भी घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इस दिशा में तुलसी, केला, बांस जैसे शुभ पेड़-पौधे लगाना अच्छा नहीं माना जाता है।

उंगलियों में दिखते ऐसे समस्या न करें नजरअंदाज, हो सकता है हाई कोलेस्ट्रॉल का संकेत !

गलत खान-पान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है जिनमें से एक हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्या भी है। यदि शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाए तो कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं इसके अलावा धमनियों में भी ब्लॉकेज हो सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने पर कुछ लक्षण दिखते हैं ऐसे में शुरुआती लक्षणों पर गौर करके आप समस्या को कंट्रोल कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन लक्षणों के बारे में...

बढ़ते लक्षण खड़ी कर सकते हैं समस्या

स्मोकिंग, शराब पीने, ज्यादा तली भूनी चीजें खाने के कारण हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा रहता है। इसके अलावा खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो हाई कोलेस्ट्रॉल होने पर शुरुआती लक्षणों पर गौर करके आप समस्या को नियंत्रित कर सकते हैं।

उंगलियों में दर्द

जब शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर इक्ट्ठा होता है तो आपके हाथ-पैर की उंगलियों में दर्द हो सकता है। धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जम जाने के कारण आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपको लगातार उंगलियों में दर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें।

उंगलियां पीली होना

यदि आपको हाथों की उंगलियां पीली पड़ती हैं तो इसका अर्थ है कि शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ रहा है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने के कारण आप एंथेलास्मा के शिकार हो सकते हैं जिससे आपकी त्वचा का रंग पीला होने लगता है।

उंगलियों में झुनझुनाहट महसूस होना

इसके अलावा बढ़ते कोलेस्ट्रॉल के कारण आपकी उंगलियों में भी झुनझुनाहट की समस्या भी हो सकती है। झुनझुनाहट के कारण आपको उंगलियों में पीन चुभने के जैसा भी महसूस हो सकता है। नसों में ब्लॉकेज के कारण आपका ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होने लगता है। जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

उंगलियों में किसी भी तरह के दबाव पड़ने पर दर्द

यदि आपकी उंगलियों में काम करते हुए दबाव पड़ता हुए दर्द होता है तो भी यह हाई कोलेस्ट्रॉल का लक्षण हो सकता है। ऐसे में यदि आपको भी यह परेशानी होती है तो उसे नजरअंदाज न करें।

हाई कोलेस्ट्रॉल होने पर आपको दिल का दौरा भी पड़ सकता है। आप कार्डियक अरेस्ट के शिकार हो सकते है। ऐसे में यदि आपके भी शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है तो उसे नजरअंदाज न करें। इन सब लक्षणों के दिखने पर एक बार डॉक्टर को जरुर संपर्क कर लें।

गर्मियों में पाचन स्वस्थ रखेगी पुदीने की चटनी, रोज खाने से होंगे ढेरों शारीरिक फायदे

गर्मी के मौसम में जब कुछ न खाने का दिल हो तो सभी पुदीने की चटनी खाना पसंद करते हैं। इसकी मीठी-मीठी खूशबू सभी को बहुत पसंद आती है। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत ही लाभकारी मानी जाती है। इसमें सोडियम, पौटेशियम, आयरन और विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है और शारीरिक कमजोरी भी दूर होती है। गर्मी के मौसम में गैस, बदहजमी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं बहुत होती हैं ऐसे में आप पुदीने की चटनी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा भी यह शरीर को कई फायदे देती है। तो चलिए आपको बताते हैं पुदीने की चटनी खाने के फायदे...

इम्यूनिटी होगी मजबूत

पुदीने की चटनी में विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है। इसके अलावा यह कई तरह की बीमारियों से भी बचाव में भी मदद मिलती है।

दर्दों से भी मिलेगी राहत

गर्मियों में यदि आपको किसी भी तरह की दर्द होती है तो आप पुदीने की चटनी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसका सेवन करने से सिरदर्द, मांसपेशियों का दर्द और कमजोरी जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है। पुदीने में पाया जाने वाला आयरन शरीर को कई तरह की बीमारियों से दूर रखने में मदद करता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

पुदीने की चटनी खाने से पेट से संबंधित समस्याओं से भी राहत मिलती है। इसमें पाए जाने वाले फाइट्रोन्यूटिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खाना पचाने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से अपच जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है। इसके अलावा इस चटनी को खाने से भूख भी अच्छी लगती है और उल्टी की समस्या भी दूर होती है।

शरीर रहेगा हैल्दी

गर्मियों में इस चटनी का सेवन करने से शरीर हैल्दी रहता है और वाटर रिटेंशन की समस्या दूर होती है। पुदीने में पाए जाने वाले एंटीइंफ्लेमेटरी गुण शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इस चटनी का सेवन करने से शरीर भी स्वस्थ रहता है।

गर्मियों में लू से होगा बचाव

गर्मियों में बाहर निकलने पर लू लगने की समस्या हो जाती है ऐसे में आप नियमित पुदीने की चटनी का सेवन करके इन सब समस्याओं से राहत पा सकते हैं। इसके अलावा यह चटनी आपके शरीर को भी हैल्दी रखने में मदद करती है।

नोट- पुदीने की चटनी शरीर के लिए फायदेमंद मानी जाती है परंतु यदि आप किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं या आपको कोई एलर्जी है तो डॉक्टर से पूछकर ही इसका सेवन करें।

संक्षिप्त

शेयर बाजार लाल निशान पर, सेंसेक्स और निफ्टी ने बढ़त गंवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार ने शुरुआती बढ़त गंवा दी है। सेंसेक्स और निफ्टी बिकवाली के कारण लाल निशान पर आ गए हैं। सेंसेक्स दिन के उच्चतम स्तर से 800 अंक से अधिक गिर गया है। वहीं निफ्टी 24,200 से नीचे आ गया है। एयरटेल और एचडीएफसी बैंक सबसे ज्यादा दबाव डालने वाले शेयर रहे। इससे पहले, भारतीय बाजार के दो बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 566.32 (0.72प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,677.56 के स्तर पर कारोबार शुरू हुआ। सुबह 10 बजकर 36 मिनट पर सेंसेक्स 289.60 (0.37प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,400.84 और निफ्टी 84.96 (0.35प्रतिशत) अंक मजबूत होकर 24,316.25 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 619 अंक के उच्चतम स्तर 78,730.32 पर पहुंचा। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 144.45(0.60प्रतिशत) अंक उछलकर 24,375.75 के स्तर पर पहुंच और देखते–देखते 169.65 अंक चढ़कर 24,400.95 तक की छलांग लगाने में सफल रहा। शुरुआती कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई और एलएंडटी के शेयर टॉप गेनर्स के रूप में कारोबार करते दिखे। बाजार में आई तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई, जिससे यह बढ़कर 462 लाख करोड़ रुपये हो गया। वैश्विक भू–राजनीतिक चिंताओं के कम होने और अमेरिका तथा ईरान के बीच वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीदों के चलते गुरुवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजारों के बेंचमार्क सूचकांकों– सेंसेक्स और निफ्टी– में मजबूत बढ़त दर्ज की गई। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी और विदेशी फंडों की वापसी से बाजार की धारणा को सकारात्मक बल मिला है। एशियाई बाजारों में भी मजबूत कारोबारी धारणा देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार भी अधिकतर बढ़त के साथ ही बंद हुए थे। इस बीच, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड मामूली 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.97 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर, के अनुसार, ष्अमेरिका–ईरान वार्ता को फिर से शुरू करने की दिशा में प्रगति के इर्द–गिर्द नए सिरे से पैदा हुए आशावाद ने तत्काल भू–राजनीतिक चिंताओं को कम करने में मदद की है, जिससे समग्र जोखिम लेने की क्षमता में वृद्धि हुई है।ष् उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें अब 94–95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की सीमा में समेकित हो रही हैं, जो घरेलू बाजार के लिए एक सकारात्मक है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के मोर्चे पर भी अच्छी खबर है। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने बुधवार को 666.15 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर खरीदे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पहले कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भू–राजनीतिक अनिश्चितता के कारण एफआईआई की निरंतर निकासी ने भारतीय इक्विटी पर भारी दबाव डाला था। हालांकि, अब बाजार में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं क्योंकि विदेशी निवेशक 666 करोड़ रुपये का निवेश कर फिर से मामूली रूप से शुद्ध खरीदार (नेट बायर्स) बन गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित कूटनीतिक शांति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता और विदेशी निवेशकों के लौटते भरोसे ने भारतीय बाजारों को एक मजबूत आधार प्रदान किया है। यदि वैश्विक मोर्चे पर कोई नई नकारात्मक खबर नहीं आती है, तो अल्पकाल में बाजार की यह रिकवरी और स्थिरता आगे भी जारी रह सकती है।

रिकॉर्ड निर्यात के साथ भारत का नया कीर्तिमान

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने वित्त वर्ष 2025–26 में निर्यात के मोर्चे पर नया इतिहास रचा है। वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात पहली बार 860 अरब डॉलर के पार पहुंच गया, जो देश की वैश्विक व्यापार में बढ़ती हिस्सेदारी को दर्शाता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से मार्च 2025–26 के दौरान कुल निर्यात 860.09 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 825.26 अरब डॉलर के मुकाबले 4.22 फीसदी अधिक है। वस्तु निर्यात में भी हल्की लेकिन सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। यह 2024–25 के 437.70 अरब डॉलर से बढ़कर 2025–26 में 441.78 अरब डॉलर हो गया। मार्च 2026 में वस्तु निर्यात 38.92 अरब डॉलर रहा, जो पूरे वित्त वर्ष का सबसे ऊंचा मासिक स्तर है। फरवरी में यह 36.61 अरब डॉलर था। वहीं, आयात 6.51 फीसदी घटकर फरवरी के 63.71 अरब डॉलर के मुकाबले 59.59 अरब डॉलर हो गया। इसके चलते व्यापार घाटा कम होकर 20.67 अरब डॉलर रह गया। हालांकि, देश के वस्तु निर्यात में एक साल पहले के मुकाबले 7.44 फीसदी कमी दर्ज की गई। अमेरिकी निर्यात में वृद्धि ने युद्ध का प्रभाव कम करने में मदद की। इस तेजी के पीछे पेट्रोलियम उत्पादों और इंजीनियरिंग वस्तुओं की अहम भूमिका रही। मशीनरी, ऑटो पुर्जे और औद्योगिक उपकरणों की मांग से इंजीनियरिंग क्षेत्र ने मजबूती दिखाई। मांस व डेयरी निर्यात भी बढ़ा। मार्च में माल निर्यात 38.92 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले 42.05 अरब डॉलर से कम है। ईरान युद्ध जैसे संकट से निपटने के लिए सरकार ने फरवरी–मार्च में सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसएमई) को 5.27 लाख से अधिक क्रेडिट गारंटी दी है।

नाम बड़े...दर्शन छोटे! 10 करोड़ की सैलरी वाले 13 खिलाड़ी, जो इस सीजन अब तक रहे फ्लॉप

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर फ्रेंचाइजी ने 10 करोड़ से ज्यादा खर्च किए, लेकिन उनका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। ये खिलाड़ी अपनी टीमों के लिए मैच विनर बनने की बजाय संघर्ष करते नजर आए हैं, जिससे फैंस और एक्सपर्ट्स दोनों हैरान हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये में शामिल किया था और वह इस सीजन के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं, लेकिन अब तक वह अपनी कीमत के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। इस वजह से उनकी टीम भी संघर्ष करती दिख रही है। इसी तरह उन्हीं की टीम के निकोलस पूरन भी बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं। पूरन को लखनऊ ने 21 करोड़ रुपये में अपनी टीम में रिटेन किया था। पूरन ने अब तक इस सीजन पांच पारियों में 42 रन बनाए हैं। यानी अब तक उनके हर एक रन लखनऊ को 50 लाख रुपये का पड़ रहा है। पंत ने अब तक पांच पारियों में 26 की औसत और 133 के स्ट्राइक रेट से 104 रन बनाए हैं। केकेआर के फैंस इस समय काफी निराश हैं और इस नाराजगी के केंद्र में एक नाम है– कैमरन ग्रीन। 25.20 करोड़ रुपये में टीम से जुड़े ग्रीन से उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं, लेकिन पांच पारियों के बाद उन्होंने सिर्फ 56 रन बनाए हैं। इसका मतलब है कि उनका हर एक रन अभी लगभग 45 लाख रुपये का पड़ रहा है, जो एक प्रीमियम ऑलराउंडर के हिसाब से बेहद निराशाजनक प्रदर्शन है। स्थिति और खराब तब हो गई जब गेंदबाजी में भी उनका प्रभाव नजर नहीं आया। शुरुआत में उन्होंने गेंदबाजी करने से हिचक दिखाई और जब सीएसके के खिलाफ उन्हें मौका मिला, तो उन्होंने दो ओवर में 30 रन लुटा दिए। उनका इकॉनमी रेट 15 रहा और वह कोई विकेट भी नहीं ले सके। इस प्रदर्शन ने सीएसके को 192 रन का मजबूत स्कोर बनाने में मदद की। लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर को अपने बड़े खिलाड़ियों से उम्मीद थी, लेकिन ग्रीन यहां भी फेल रहे। नूर अहमद ने उन्हें गोल्डन डक पर आउट कर दिया, जिससे पहले से दबाव में चल रही टीम की बल्लेबाजी और कमजोर हो गई।

चेन्नई सुपर किंग्स ने ऋतुराज गायकवाड़ पर भरोसा दिखाते हुए उन्हें एक और सीजन में कप्तानी सौंपी, लेकिन लगता है ऋतुराज कप्तानी का दबाव नहीं झेल पा रहे हैं। ऋतुराज को सीएसके ने 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। उनसे कप्तानी के साथ–साथ बल्लेबाजी में भी बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन वह लगातार रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं। उनकी वजह से सीएसके को अब तक एक अच्छी ओपनिंग नहीं मिल सकी है। वह पांच पारियों में केवल 63 रन बना सके हैं। 28 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वहीं, सीएसके ने 14.2 करोड़ में दो युवा खिलाड़ियों को खरीदा था। कार्तिक शर्मा और प्रशांत वीर, लेकिन दोनों ही ज्यादा मैच नहीं खेल पाए और बेंच पर बैठा दिए गए। प्रशांत ने दो मैचों में 49 की औसत और 136.11 के स्ट्राइक रेट से 49 रन बनाए हैं। इसमें 43 रन उनका सर्वश्रेष्ठ है, लेकिन ज्यादा गेंदबाजी उनसे नहीं कराई गई। वहीं, कार्तिक तीन पारियों में केवल 25 रन बना सके हैं। वहीं, मुंबई की टीम में 18 करोड़ रुपये की सैलरी वाले जसप्रीत बुमराह और 16.35 करोड़ रुपये की सैलरी वाले सूर्यकुमार यादव भी अपने स्तर का प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। सूर्या ने चार पारियों में 26.50 की औसत और 153.62 के स्ट्राइक रेट से केवल 106 रन बनाए हैं। वहीं, बुमराह इस सीजन अब तक चार मैचों में एक भी विकेट नहीं ले सके हैं। इसका असर मुंबई के प्रदर्शन पर भी दिखा है और टीम चार मैचों में सिर्फ एक मैच जीत सकी है और अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। इसके अलावा मुंबई ने 12.50 करोड़ रुपये की कीमत में ट्रेंट बोल्ट पर भरोसा जताया था, लेकिन बोल्ट काफी महंगे रहे हैं। वह तीन मैचों में सिर्फ एक विकेट ले सके हैं। उनका इकोनॉमी रेट 12.22 का रहा है। 18 करोड़ रुपये की सैलरी वाले अर्शदीप सिंह (पंजाब किंग्स) और 12 करोड़ रुपये की सैलरी वाले वरुण चक्रवर्ती (कोलकाता नाइट राइडर्स) जैसे गेंदबाज भी मैच पर प्रभाव डालने में नाकाम रहे हैं। वरुण अपनी स्पिन का जादू नहीं दिखा पाए हैं और केकेआर के कप्तान रहाणे ने तो सीएसके के खिलाफ मैच में उन्हें कोटे के चार ओवर भी नहीं कराए। वरुण ने इस सीजन अब तक चार मैचों में एक भी विकेट नहीं ले सके हैं। वहीं, अर्शदीप ने चार मैचों में दो विकेट लिए हैं। अर्शदीप का इकोनॉमी रेट 10.64 का रहा है। ग्राव नहीं छोड़ पाए हैं। इन खिलाड़ियों से मिडिल ऑर्डर को मजबूती देने की उम्मीद थी, लेकिन प्रदर्शन अस्थिर रहा है।

अब महिलाओं में भी होगी भारत की बादशाहत ? विश्व चैंपियन बनने के लिए जू वेनजुन से भिड़ेंगी वैशाली

साइप्रस,एजेंसी। भारत की स्टार शतरंज खिलाड़ी और प्रज्ञानंद की बहन आर वैशाली ने बुधवार को फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 जीतकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ ही उन्हें इस साल होने वाली विश्व चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देने का मौका मिलेगा। 24 वर्षीय वैशाली ने फाइनल राउंड में यूक्रेन की कातेरिना लाग्नो को सफेद मोहरों से हराकर 14 में से 8.5 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शांत और प्रभावी खेल दिखाया और अपने प्रतिद्वंद्वियों से आधा अंक आगे रहते हुए जीत दर्ज की। यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि वैशाली ने टूर्नामेंट की शुरुआत कम रेटिंग वाले खिलाड़ियों में से एक के रूप में की थी, लेकिन शानदार प्रदर्शन से उन्होंने सभी को पीछे छोड़ दिया। उनका यह सफर भारत के ही युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश के 2024 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने जैसे यादगार अभियान की याद दिलाता है, जब उन्होंने भी उम्मीदों के विपरीत खिताब जीता था। वैशाली ने अपने निर्णायक मुकाबले में बेहतरीन रणनीति अपनाई। शुरुआती चालों से ही उन्होंने बढ़त बना ली, जिसे उन्होंने पूरे मैच के दौरान बरकरार रखा। मिडिल गेम में सटीक चालें चलते हुए उन्होंने अपने प्यादे की बढ़त को जीत में बदल दिया। हालांकि, खिताब जीतने के लिए उन्हें अन्य मुकाबलों के परिणाम पर भी निर्भर रहना पड़ा। भारत की ही खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने कजाखस्तान की बिबिसारा अस्सौबायेवा के खिलाफ ड्रॉ खेला, जिससे वैशाली की जीत पक्की हो गई। वैशाली की यह सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि एक समय वह इस टूर्नामेंट में भाग लेने को लेकर संशय में थीं। पिछले साल चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में खराब प्रदर्शन (सिर्फ 1.5 अंक) के बाद उन्होंने ग्रैंड स्विस में हिस्सा न लेने का भी विचार किया था।

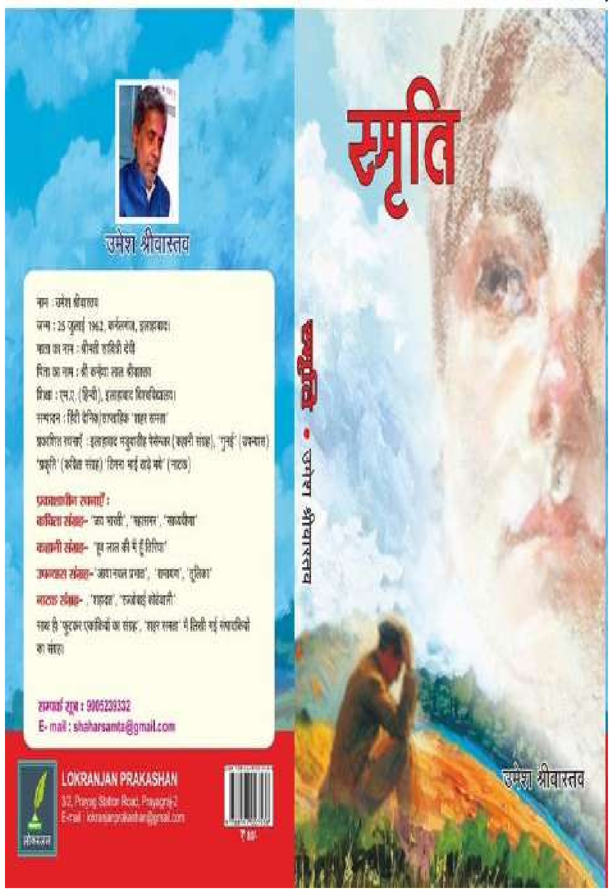

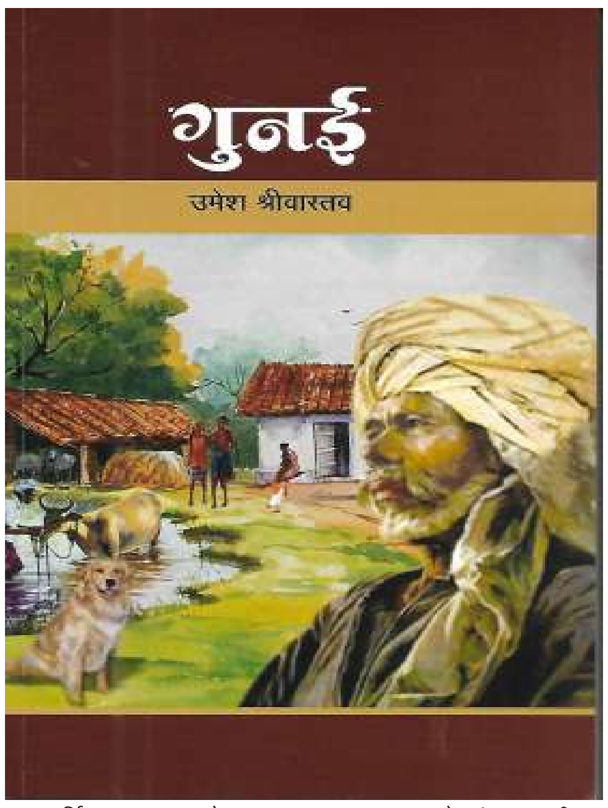

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

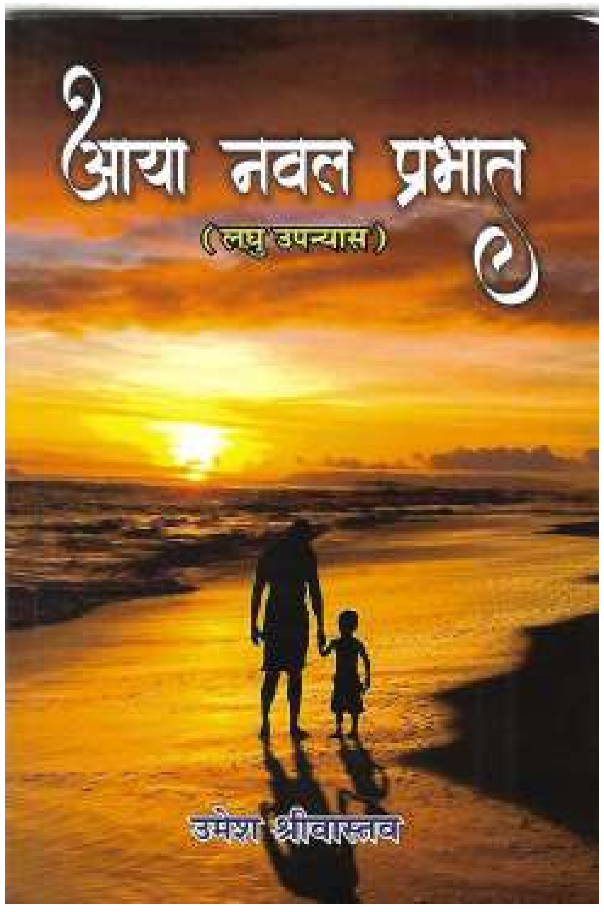

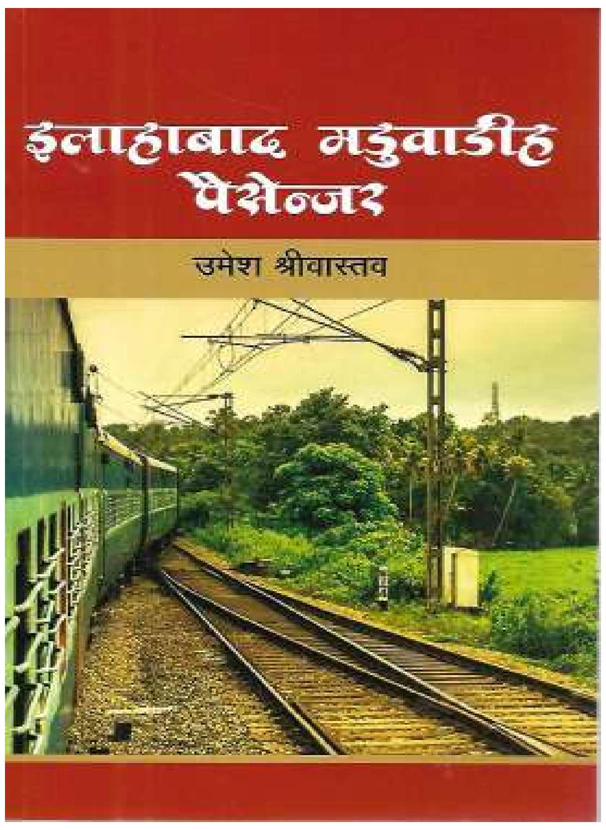

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

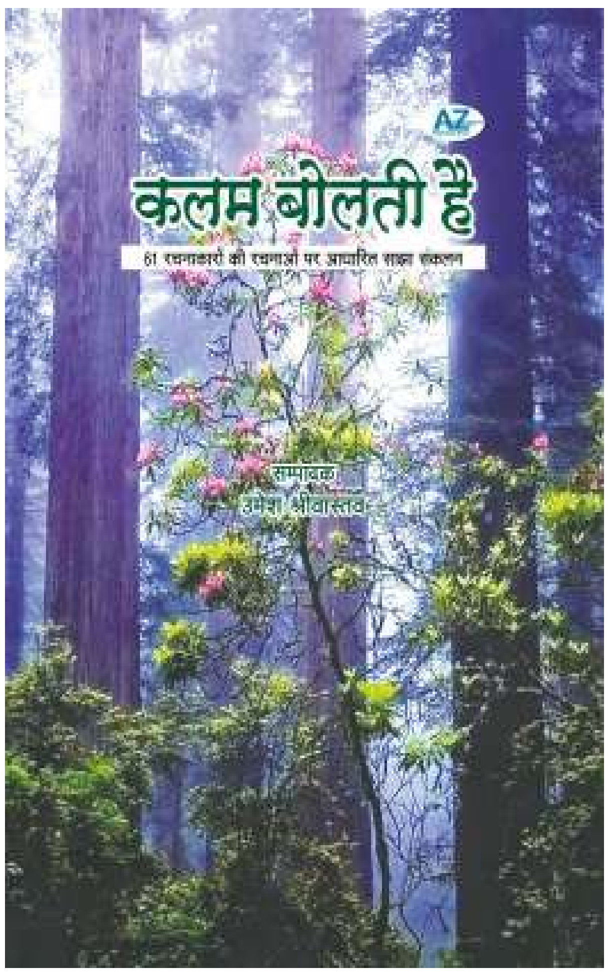

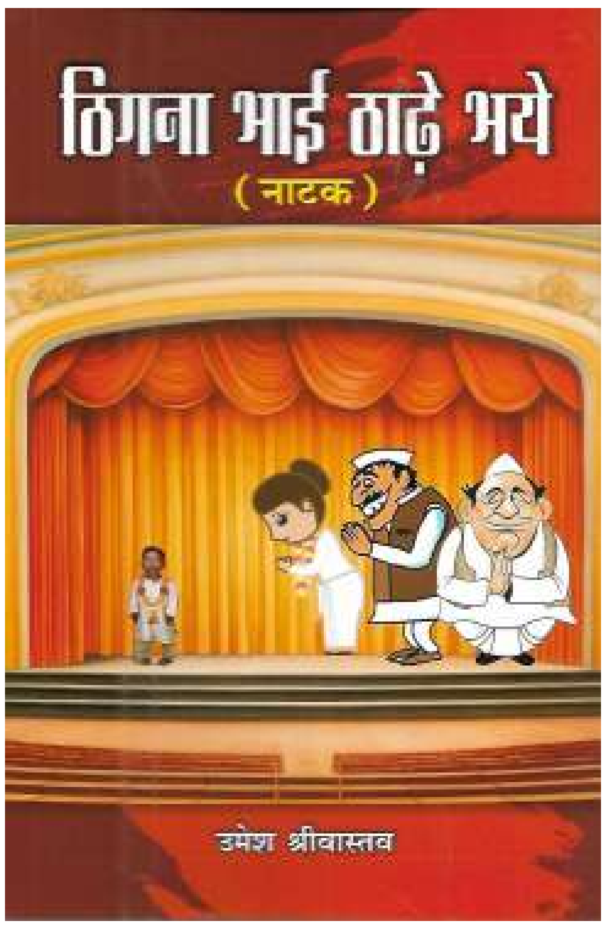

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर बोले आईएईए प्रमुख- तेहरान बेहद महत्वाकांक्षी, भ्रम में न पड़े अमेरिका

सियोल, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक मारियानो राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका–ईरान के बीच किसी संभावित समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम की जांच के लिए व्यापक उपाय शामिल किए जाने चाहिए। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम की सख्त और विस्तृत जांच की व्यवस्था के बिना कोई भी समझौता सिर्फ एक भ्रम साबित होगा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने साफ कहा है कि आईएईए निरीक्षकों को इसके लिए यदि पूरी पहुंच नहीं मिलती, तो ऐसा

समझौता वास्तविक नहीं होगा। सियोल में संवाददाताओं से बात करते हुए ग्रॉसी ने कहा, श्ईरान का परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी और व्यापक है, इसलिए इन सभी पहलुओं के लिए आईएईए निरीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि परमाणु प्रौद्योगिकी पर किसी भी समझौते के लिए श्बेहद विस्तृत सत्यापन तंत्रश की जरूरत होती है। ईरान के परमाणु ठिकानों तक एजेंसी की पहुंच नहीं

इससे पहले फरवरी की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान इस्राइल और अमेरिका द्वारा बमबारी किए गए परमाणु ठिकानों तक ईरान ने आईएईए को पहुंच नहीं दी। रिपोर्ट में कहा गया कि एजेंसी यह सत्यापित नहीं कर सकती कि ईरान ने संवर्धन से संबंधित सभी गतिविधियां बंद कर दी हैं या प्रभावित परमाणु सुविधाओं में ईरान के यूरेनियम भंडार का आकार कितना बड़ा है। ईरान लंबे समय से अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता आया है। वहीं, आईएईए और पश्चिमी देशों का दावा है कि तेहरान के पास 2003 तक संगठित परमाणु हथियार कार्यक्रम था। आईएईए के अनुसार, ईरान के पास 60: तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम मौजूद है। ग्रॉसी ने कहा, ईरान अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाता है, तो यह भंडार 10 परमाणु बम बनाने योग्य होगा। ग्रॉसी ने बताया कि उत्तर कोरिया के परमाणु ठिकानों पर गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उनकी टिप्पणी उन विदेशी पर्यवेक्षकों के नजरिये से मेल खाती है, जो मानते हैं कि वर्ष 2019 में अमेरिका के साथ कूटनीति विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने मुख्य योंगब्योन परमाणु परिसर का विस्तार किया है और अतिरिक्त यूरेनियम संवर्धन केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए हैं। पिछले सितंबर में, दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्री चुंग डोंग–यंग ने कहा था कि उत्तर कोरिया चार यूरेनियम संवर्धन केंद्र संचालित कर रहा है और वे प्रतिदिन काम कर रहे हैं। घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि आईएईए की कड़ी शर्तें अमेरिका–ईरान के बीच किसी संभावित समझौते को प्रभावित कर सकती हैं। राफेल ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ वार्ता का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना युद्ध का एक प्रमुख लक्ष्य है।

संक्षिप्त

यूक्रेन को UK से मिला अब तक का सबसे बड़े हथियारों का पैकेज, भड़के रूस का आरोप- आग में घी डाल रहा यूरोप

एजेंसी/यूक्रेन को ब्रिटेन की ओर से घोषित अब तक के सबसे बड़े ड्रोन पैकेज की आपूर्ति शुरू हो गई है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ड्रोन की खेप पहुंचनी शुरू हो

चुकी है और इससे उसकी फ्रंटलाइन की ताकत मजबूत हो रही है। यूक्रेन ने क्या बताया? मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि हम यूके के आभारी हैं, जिसने यूक्रेन के लिए अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन पैकेज दिया है। ये ड्रोन पहुंचने लगे हैं और हमारी फ्रंटलाइन को मजबूत कर रहे हैं। बयान के अनुसार, इस वर्ष यूक्रेन को कुल 1.2 लाख (120,000) ड्रोन मिलने की उम्मीद है। इस पैकेज में स्ट्राइक, टोही, लॉजिस्टिक्स और समुद्री ड्रोन शामिल हैं, जो युद्ध के अलग–अलग मोर्चों पर इस्तेमाल किए जाएंगे। ब्रिटेन ने क्या घोषणा की थी? इससे पहले ब्रिटेन ने घोषणा की थी कि वह 2026 में यूक्रेन को कम से कम 1.2 लाख ड्रोन उपलब्ध कराएगा। यह पहल ब्रिटेन की इस साल की करीब 3 अरब पाउंड (लगभग 4.07 अरब अमेरिकी डॉलर) की सैन्य सहायता योजना का हिस्सा है। इसके साथ ही यह ळ7 की एक्स्ट्राऑर्डिनरी रेवेन्यू एक्सेलरेशन फॉर यूक्रेन पहल से भी समर्थित है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है। रूस ने की कड़ी आलोचना दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है। रूस ने कहा कि यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने से महाद्वीप सीधे तौर पर रूस के साथ संघर्ष में और अधिक उलझता जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि यूरोपीय नेताओं के ऐसे कदम उनकी सुरक्षा बढ़ाने के बजाय उन्हें युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक, 26 मार्च को कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया, खासकर उस समय जब यूक्रेनी सेना को बढ़ते नुकसान और जनशक्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रूस का दावा रूस ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी ड्रोन निर्माता कंपनियों की शाखाएं यूरोप के आठ देशों में सक्रिय हैं। इनमें से कुछ इकाइयां स्ट्राइक ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसे हथियारों के निर्माण में लगी हैं, जिनके उत्पादन के लिए यूरोप में अतिरिक्त फंडिंग भी बढ़ाई जा रही है।

पीएम नेतन्याहू बोले- ईरान के खिलाफ अमेरिका–इस्राइल के समान लक्ष्य, फिर से जंग की स्थिति में हम तैयार

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि ईरान के साथ जारी संघर्ष में इस्राइल और अमेरिका के लक्ष्य पूरी तरह समान हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ उसकी बातचीत की जानकारी लगातार इस्राइल को दे रहा है। दोनों देश चाहते हैं कि ईरान से संवर्धित यूरेनियम हटाया जाए। ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता खत्म की जाए और समुद्री मार्गों को फिर से खोला जाए। नेतन्याहू ने कहा, हमारे और अमेरिका के लक्ष्य एक जैसे हैं। हम चाहते हैं कि ईरान से संवर्धित सामग्री हटाई जाए। उसकी संवर्धन क्षमता खत्म की जाए और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोला जाए। उन्होंने आगे कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह स्थिति किस दिशा में जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर फिर से जंग शुरू होती है, तो इस्राइल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान और अमेरिका–इस्राइल के बीच अस्थायी संघर्षविराम 22 अप्रैल को खत्म होने वाला है। इस बीच, इस्राइल और लेबनान के हिजबुल्ला के बीच भारी गोलीबारी जारी है। नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइली सेना आतंकवादी ठिकानों पर हमले जारी रखे हुए है और उत्तरी इस्राइल के निवासियों के साथ खड़ी है। दक्षिण लेबनान में आईडीएफ के अभियान पर क्या कहा? उन्होंने कहा, मैं उत्तर के निवासियों के साथ हूं, जो मजबूती से खड़े हैं। साथ ही हमारी सेना हिजबुल्ला पर हमले कर रही है। दक्षिण लेबनान के बिंत जबील क्षेत्र में जारी ऑपरेशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस्राइली सेना इस इलाके में नियंत्रण के करीब है। यह क्षेत्र 2006 के युद्ध के बाद से हिजबुल्ला का अहम गढ़ माना जाता रहा है। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) को दक्षिण लेबनान में सुरक्षा क्षेत्र को बढ़ाने और उसे माउंट हर्मन की ओर पूर्व दिशा तक फैलाने का निर्देश दिया है, ताकि वहां रहने वाले ड्रूज समुदाय की मदद की जा सके। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि लेबनान के साथ अमेरिका की मदद से बातचीत चल रही है। दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं।

भारत यात्रा पर आएंगे पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा करेंगे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन एक वार्षिक बैठक है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के नेता शामिल होते हैं। इसके अलावा इसमें नए सदस्य देश भी शामिल हैं। इस बैठक में आर्थिक सहयोग, व्यापार, वैश्विक शासन और भू–राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जाती है। यह मंच उभरती अर्थव्यवस्थाओं को नीतियों के समन्वय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सामूहिक आवाज उठाने का अवसर देता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

. 919450482227

'थोड़ी राहत देने की कोशिश': 34 साल बाद बातचीत करेंगे इस्राइल और लेबनान, राष्ट्रपति ट्रंप बोले- बढ़िया शुरुआत

एजेंसी/ पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस्राइल और लेबनान के बीच लंबे समय बाद उच्च–स्तरीय बातचीत की संभावना ने कूटनीतिक हलचल तेज कर दी है। इस्राइल की सुरक्षा कैबिनेट के एक सदस्य ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जल्द ही लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन से बातचीत कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा– दोनों देशों के बीच तनाव कम करने की कोशिश इसी बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए घोषणा की कि इस्राइल और लेबनान 34 साल बाद शीर्ष स्तर पर संवाद करेंगे। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि यह कोशिश दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और थोड़ी राहत देने के उद्देश्य से की जा रही है। इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच टकराव जारी यह संभावित वार्ता ऐसे समय में हो रही है जब इस्राइल और

लेबनान के बीच तनाव लगातार बना हुआ है, खासकर इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच टकराव को लेकर। हालांकि संघर्ष को रोकने के लिए युद्ध विराम लागू किया गया था, लेकिन जमीनी हालात अब भी संवेदनशील बने हुए हैं। दोनों देशों के बीच हो चुकी है त्रिपक्षीय बैठक इससे पहले मंगलवार को अमेरिका ने इस्राइल और लेबनान के बीच एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय बैठक की मेजबानी की, जो 1993 के बाद पहली उच्च–स्तरीय पहल थी। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, इस बैठक में प्रत्यक्ष वार्ता शुरू करने, युद्धविराम लागू करने, सुरक्षा सहयोग बढ़ाने और व्यापक शांति ढांचे की दिशा में आगे बढ़ने पर सहमति बनी। बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, काउंसलर माइकल नीडहैम, लेबनान में अमेरिकी राजदूत लिसा ए. जॉनसन, अमेरिका में इस्राइल के राजदूत येचियल लेटर और अमेरिका में लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवावाद शामिल हुए। अमेरिका ने इस वार्ता को लेकर क्या कहा? अमेरिका ने इस वार्ता को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताते हुए दोनों देशों के बीच संवाद जारी रखने का समर्थन किया। वॉशिंगटन ने यह भी कहा कि किसी भी संघर्ष विराम समझौते को दोनों सरकारों के बीच, अमेरिका की मध्यस्थता में ही अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। साथ ही यह उम्मीद जताई गई कि यह प्रक्रिया न केवल शांति की दिशा में आगे बढ़ेगी, बल्कि लेबनान के पुनर्निर्माण, आर्थिक सुधार और निवेश के नए अवसर भी खोलेगी। इस्राइल ने इस दौरान अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए लेबनान में सभी गैर–राज्य सशस्त्र समूहों को निरस्त्र करने और आतंकी ढांचे को खत्म करने पर जोर दिया। साथ ही उसने लेबनान सरकार के साथ मिलकर दोनों देशों के लोगों के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई। वहीं, लेबनान ने नवंबर 2024 में घोषित संघर्ष विराम को पूरी तरह लागू करने की जरूरत पर बल दिया। उसने अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के सम्मान की मांग करते हुए तत्काल युद्धविराम और जारी मानवीय संकट को कम करने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया।

ईरान में अब ऑपरेशन इकोनश्वमिक फ्यूरी: तेहरान के खिलाफ अमेरिका की आर्थिक दबाव की रणनीति, प्रतिबंधों की भी तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक महीने से ज्यादा चले भीषण सैन्य टकराव के बाद भले ही अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम हुआ हो, लेकिन जंग अब नए मोर्चे पर पहुंच गई है। गोलियों और मिसाइलों की जगह अब आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल तेज हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की कमर तोड़ने के लिए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की नई रणनीति तैयार कर ली है। ईरान

के तेल कारोबार से लेकर वैश्विक बैंकिंग नेटवर्क तक, हर रास्ता बंद करने की कोशिश की जा रही है, जिससे ईरान पर चौतरफा दबाव बनाया जा सके। बढ़ते इस तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपना रुख साफ किया है कि वह ईरान पर और सख्त प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। इसमें उन देशों और बैंकों पर भी कार्रवाई शामिल हो सकती है, जो ईरान के तेल कारोबार से जुड़े हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कदम ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी के तहत उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि पिछले एक साल से ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव बनाया जा रहा है। इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिका अब उन देशों से भी सख्त कदम उठाने को कह रहा है, जिनके पास ईरान से जुड़े पैसे हैं। खासकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर और ईरानी नेतृत्व से जुड़े फंड को फ्रीज करने की मांग की जा रही है। ऐसे में अमेरिका ने साफ चेतावनी दी है कि अगर कोई देश ईरानी तेल खरीदता है या उसके पैसे अपने बैंकों में रखता है, तो उस पर सेकेंडरी सैंक्शन यानी अप्रत्यक्ष प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसके इतर अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बताया कि चीन के कुछ बैंकों को पहले ही चेतावनी दी जा चुकी है। अगर उनके जरिए ईरान के पैसे का लेन–देन पाया गया, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। अमेरिका ने यह भी कहा है कि वह ईरान के तेल से जुड़ी सामान्य छूट (लाइसेंस) को आगे नहीं बढ़ाएगा। इसका मतलब है कि ईरान के लिए तेल बेचकर कमाई करना और मुश्किल हो जाएगा। गौतरलब है कि अमेरिका का कहना है कि हाल ही में ईरान की कुछ गतिविधियों, खासकर पड़ोसी खाड़ी देशों के साथ तनाव, की वजह से अब कई देश भी सतर्क हो गए हैं और पैसे के लेन–देन पर ज्यादा नजर रख रहे हैं।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ये कदम अमेरिका के लंबे समय के सुरक्षा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उठाए जा रहे हैं।

लश्कर से जुड़े आतंकी पर फायरिंग: आमिर हमजा को हमलावरों ने गोलियों से भूना, लाहौर में हुई सनसनीखेज घटना

एजेंसी/पाकिस्तान के लाहौर में लश्कर–ए–तैयबा के संस्थापक सदस्यों में शामिल आतंकी आमिर हमजा पर अज्ञात हमलावरों ने

गोलीबारी कर दी। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया है और अस्पताल में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। हाल के महीनों में पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों पर लगातार हमलों की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। कैसे हुआ हमला? जानकारी के अनुसार, यह हमला एक न्यूज चौनल के दफ्तर के बाहर हुआ, जहां अज्ञात हमलावरों ने उस पर फायरिंग की। गोली लगने के बाद उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। लश्कर–ए–तैयबा का माना जाता है संस्थापक आमिर हमजा, कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा का सह–संस्थापक माना जाता है और उसका नाम कई आतंकी गतिविधियों से जुड़ा रहा है, जिनमें भारत में हुए कई हमले भी शामिल हैं। उसने इस संगठन की स्थापना हाफिज सईद के साथ मिलकर की थी। हमजा अफगान मुजाहिदीन का भी हिस्सा रह चुका है और अपने भड़काऊ भाषणों व लेखन के लिए जाना जाता रहा है। वह लश्कर की आधिकारिक पत्रिका मजल्लाह अल–दावा का संस्थापक संपादक भी रहा है। 2002 में उसने काफिला दावत और शहादत नामक किताब लिखी थी, जिसमें चरमपंथी विचारधारा को बढ़ावा दिया गया था। प्रतिबंधित आतंकियों की सूची में शामिल अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने लश को आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है और आमिर हमजा को भी प्रतिबंधित आतंकियों की सूची में शामिल किया है। वह संगठन की केंद्रीय समिति में शामिल रहा और फंडिंग, भर्ती और बंदी आतंकियों की रिहाई के लिए बातचीत जैसे अहम कार्यों में उसकी भूमिका बताई जाती है। कब बनाई लश्कर से दूरी? 2018 में पाकिस्तान द्वारा जमात–उद–दावा और फलाह–ए–इंसानियत फाउंडेशन पर कार्रवाई के बाद हमजा ने कथित तौर पर लश्कर से दूरी बना ली थी। इसके बाद उसने जैश–ए–मनकफा नामक एक अलग संगठन बनाया, जिसके जरिए कथित तौर पर जम्मू–कश्मीर समेत अन्य क्षेत्रों में गतिविधियां जारी रखने की कोशिश की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह संगठन पाकिस्तान में सक्रिय है और हमजा अब भी लश्कर नेतृत्व के संपर्क में बना हुआ है। इस हमले के पीछे किसका हाथ है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।

हिजबुल्लाह का भीषण प्रहार, 24 घंटे में इस्राइली ठिकानों पर 39 किए हमले, जंग तेज हुई तेज

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 39 सैन्य अभियान चलाए हैं। इन हमलों में इस्राइली बस्तियों, सैनिकों की टुकड़ियों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। साथ ही दक्षिणी सीमा और उत्तरी इस्राइल में दोनों पक्षों के बीच आमने–सामने की झड़पें भी हुईं। अल जजीरा की रिपोर्ट में बात सामने आई है। नेतन्याहू ने क्या कहा? इस बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि इस्राइली सेना दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रखेगी। नेतन्याहू ने बिंट जबील को हिजबुल्लाह का मुख्य गढ़ बताया और इसे पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया। WHO ने जताई चिंता इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रमुख टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने लेबनान के अस्पतालों की हालत पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि दक्षिण लेबनान का श्तेबनीन सरकारी अस्पतालश गंभीर संकट में है। अप्रैल में अस्पताल के पास हुए दो अलग–अलग हमलों में इसे काफी नुकसान पहुंचा है। इन घटनाओं में 11 स्वास्थ्य कर्मी घायल हुए। अस्पताल का इमरजेंसी विभाग, वेंटिलेटर, मॉनिटर और फार्मेसी जैसी जरूरी चीजें खराब हो गई हैं। हालांकि कुछ सेवाएं अभी भी चालू हैं, टेड्रोस ने कहा कि ॅभ्व् प्राथमिकता वाली जरूरतों के आधार पर तत्काल आपातकालीन रखरखाव में सहायता कर रहा है। WHO प्रमुख ने स्वास्थ्य सेवाओं पर हो रहे हमलों के आंकड़े भी साझा किए। संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर 133 हमले हुए हैं। इनमें 88 लोगों की मौत हुई और 206 लोग घायल हुए हैं। हमलों की वजह से 15 अस्पताल और 7 स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं, 5 अस्पतालों और 56 स्वास्थ्य केंद्रों को पूरी तरह बंद करना पड़ा है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों, एम्बुलेंस और मरीजों की सुरक्षा की अपील की है।

होर्मुज की नाकेबंदी पर ईरान की US को धमकी, कहा- पहली मिसाइल से ही अमेरिकी जहाजों को डुबो देंगे

तेहरान, एजेंसी। इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत नाकाम होने के बाद हालात बिगड़ गए हैं। अमेरिका ने अरब और ओमान की खाड़ी में ईरानी बंदरगाहों की पूरी तरह नाकेबंदी कर दी है। अब किसी भी देश का जहाज ईरान के बंदरगाहों पर न तो आ सकता है और न ही वहां से जा सकता है। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत ओमान की खाड़ी में लगातार गश्त कर रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।